

मां कात्यायनी	दैनिक	प्रदेश के साथ पूरा देश...	
			
सिंहासनगता नित्यं पद्माक्षित कच्छया । शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमता यशस्विनी॥			
अंदर के पृष्ठों पर ♦♦	3 राजधानी	5 झारखंड	6 अभिव्यक्ति
रांची, सोमवार, 27 मार्च 2023, चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत-2081 वर्ष-08 अंक-333 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये			रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल कर ही असली चीजें हो पाती हैं।

सूर्योदय-सूर्यास्त

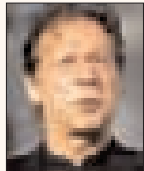
उदय : 05:47 प्रातः
अस्त : 06:02 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	20.0
जमशेदपुर	37.0	22.0
हजारीबाग	35.0	22.0
डालटनगंज	37.0	21.0

संक्षिप्त

इमरान ने की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ



नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एकबार फिर भारत तौरा अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हुए पाकिस्तान की शाहबाज सरकार को आईना दिखाया। शनिवार देर रात लाहौर स्थित मीनार-ए-पाकिस्तान में इमरान खान ने एक बड़ी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में महंगाई भारत के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है। इमरान खान ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान भारत की मुद्रास्फीति 5.5 फीसदी और पाकिस्तान की 9-10 फीसदी के आसपास थी। उन्होंने देश की बेतहाशा महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में डॉलर 283 पाकिस्तानी रुपये है जबकि उनके कार्यकाल के दौरान यह 178 पाकिस्तानी रुपये था।

खालिस्तान समर्थकों ने पत्रकार को पीटा

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के समक्ष प्रदर्शन करने के दौरान खालिस्तान समर्थकों ने एक भारतीय पत्रकार को गालियां देते हुए उसके साथ मारपीट की। पत्रकार ललित झा शनिवार दोपहर भारतीय दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थकों के प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। पत्रकार ने खालिस्तान समर्थकों के हमले के बाद यूएस सीक्रेट सर्विस को कॉल किया जिसके बाद उन्हें तत्काल मदद मिली और खालिस्तान समर्थकों के बीच से उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया।

गया-गोमो रेलखंड पर टला बड़ा हादसा

पटना। बिहार के गया-गोमो रेलखंड के होरोडीह के पास एक मालगाड़ी रेल पटरी लोड करके जा रही थी। इस बीच उससे एक लोहे की पटरी बाहर निकल गयी और दूसरी ओर से आ रही मालगाड़ी से टकरा गयी। दूसरी मालगाड़ी के ड्राइवर ने सूझ-बूझ का परिचय देते हुए समय पर ब्रेक लगा दिया। गंभीरत रहै है इस समय कोई यात्री ट्रेन नहीं आ रही थी। वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के कारण ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया है।

गजब. पश्चिम सिंहभूम के चुम्बरू तामसोय का जुनून देख गुस्से में पत्नी ने कर ली दूसरी शादी, फिर भी नहीं मानी हार

40 साल में अकेले खोद डाला तालाब, गांव में पानी की किल्लत दूर

नवप्रदेश संवाददाता

चाईबासा : झारखंड के पश्चिम सिंहभूम के कुमरिता गांव में रहने वाले चुम्बरू तामसोय ने अकेले दम पर 100 गुणा 100 फीट वाला 20 फीट गहरा तालाब खोद डाला। न कभी सरकारी मदद की चाहत रखी और न किसी और से सहायता मांगी। उनके बनाए तालाब से पूरे गांव के पानी की जरूरतें पूरी होती हैं। 72 साल के चुम्बरू तामसोय ने अपनी पूरी उम्र इस तालाब की खुदाई और उसके विस्तार में खपा दी। उम्र के थपेड़ों ने उन्हें शारीरिक तौर पर कमजोर जरूर कर दिया है, लेकिन उन्होंने पानी बचाने और हरियाली फैलाने के अपने जुनून और हौसले में कोई कमी नहीं आने दी। चुम्बरू तामसोय के जिद-जुनून का यह सफर तकरीबन 45 साल पहले



शुरू हुआ। वह 1975 का साल था। इलाके में सूखा पड़ा था। घर में दो वक्त के लिए अनाज तक का संकट था। तभी उत्तर प्रदेश से इस इलाके में आया एक ठेकेदार गांव के कई युवकों को मजदूरी के लिए

प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती। यहां काम करते हुए चुम्बरू के दिल में खयाल आया कि अगर घर से सैकड़ों मील दूर रहकर मिट्टी की खुदाई ही करनी है, तो क्यों नहीं यह काम अपने गांव में किया जाए। करीब दो-ढाई महीने बाद ही चुम्बरू गांव लौट आए।

तालाब के मालिक ने पानी देने से किया मना

गांव वापस लौटने पर चुम्बरू ने अपनी जमीन पर बागवानी शुरू की, लेकिन जब सिंचाई के लिए पानी की जरूरत हुई तो पास स्थित तालाब के मालिक ने साफ मना कर दिया। यह बात चुम्बरू के दिल पर लगी और उसी रोज उन्होंने अकेले तालाब खोदने की जिद ठान ली। खेती-बाड़ी के साथ हर रोज चार-पांच घंटे का वक्त निकालकर

रोज ऐसा भी हुआ कि पत्नी उनके इस पागलपन से खौझकर उन्हें छोड़कर चली गई। उसने किसी और के साथ अपना घर बसा लिया। चुम्बरू आहत हुए, लेकिन उन्होंने तालाब खुदाई की गति और तेज कर दी। आखिरकार कुछ ही सालों में तालाब बनकर तैयार हो गया। उसमें इतना पानी जमा होने लगा कि उनकी बागवानी और खेती की जरूरतें पूरी होने लगीं।

पत्नी के छोड़ने के बाद भी अभियान जारी रखा
चुम्बरू की अपनी खेती और बागवानी की जरूरतों के लिए छोटा तालाब तो वर्षों पहले बन गया था, लेकिन उन्होंने अपना अभियान किसी रोज थमने नहीं दिया। तालाब का व्यास और उसकी गहराई बढ़ाने के लिए हर रोज इंच-इंच खुदाई

खूटी। हॉकी झारखंड और जिला प्रशासन खूटी के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा कॉलेज कैम्पस के एस्ट्रेटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर महिला-पुरुष पूर्वी क्षेत्र हॉकी चॉंपियनशिप 2023 का समापन रविवार को हो गया। पहला फाइनल मैच महिला वर्ग में मेजबान हॉकी झारखंड और हॉकी मिजोरम के बीच खेला गया। संघर्षपूर्ण हुए इस फाइनल मैच में निर्धारित समय तक मैच जब दो-दो गोल की बराबरी पर रहा, तो फिर मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ, जिसमें मेजबान झारखंड की टीम ने 2-1 गोल से मैच जीतकर चॉंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। मैच में बेहतरीन बचाव कर अपनी

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड सरकार के खेल मंत्री हर्षीजुल हसन अंसारी ने प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों के खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड सरकार खेल एवं खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर में काम कर रही है।

उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के माध्यम से देश विदेश में प्रदेश का नाम रोशन करने की अपील की। उपायुक्त शशि रंजन ने भी बेहतर खेल का प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी। फाइनल मैच में झारखंड की स्टा

आईईडी विस्फोट में महिला की मौत, एक घायल

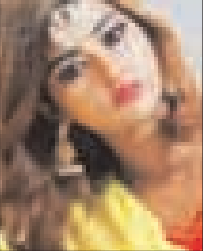
चाईबासा : पश्चिम सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित मुफसिल थाना क्षेत्र के अंजदबेड़ा गांव के चिड़ियाबेड़ा टोला जंगल में नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में शनिवार को एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान चिड़ियाबेड़ा टोला निवासी गुरबारी तामसोय (62) के रूप में हुई है जबकि चांडु तामसोय (62) गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना के समय दोनों महिलाएं जंगल में पत्ता तोड़ने गई थी। ग्रामीणों ने रविवार को घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना

के बाद जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने जख्मी महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत स्थिर है। मृत महिला गुरवारी तामसाय का शव पोस्टमार्टम के लिए शीतगृह में रखा गया है। एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ झारखंड पुलिस व सीआरपीएफ के लगातार अभियान चलाये जाने से नक्सली बौखलाये हुए हैं। शनिवार को भी सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने चिरियाबेड़ा जंगल में आईईडी लगाये थे।



,ओलंपियन चिंगलन साना सिंह,अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी असुंता लकड़ा,सुभद्रा प्रधान सहित काफी संख्या में राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी उपस्थित थे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में हॉकी झारखंड और जिला प्रशासन खूटी के सभी पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, सीईओ रजनीस कुमार, उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी, नरेंद्र कुमार सिंह, हॉकी खूटी के अध्यक्ष अशोक भगत, सचिव दशरथ महतो, अपना हंस,परमानंद कुमार,सुगील नायक ,सुशील टोपेनो,जुनास मुंडा , विश्वाशी पूर्ति सहित हॉकी खूटी की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा ने की खुदकुशी



वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सारनाथ थाना क्षेत्र के एक होटल में भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुहे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फासी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय आकांक्षा दुहे एक फिल्म की शूटिंग के लिए पिछले दिनों वाराणसी पहुंची थीं। यहां के सारनाथ थाना क्षेत्र के सोमेंद्र होटल में वह ठहरी हुई थी।

तीन-चार दिनों से फिल्म की शूटिंग चल रही थी।

रविवार को उन्होंने संदिग्ध परिस्थितियों में फासी लगाकर खुदकुशी कर ली। होटल कर्मचारियों की सूचना के बाद पहुंची पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मन की बात. पीएम मोदी ने सरायकेला की स्नेहलता को किया नमन

अंगदान को आसान और प्रोत्साहित करने के लिए नीति
रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां जिले के रहने वाले अभिजीत से बात की। प्रधानमंत्री ने अभिजीत की 63 वर्षीय दिवंगत मां स्नेहलता चौधरी को नमन करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। 63 वर्षीय स्नेहलता चौधरी के अंगदान से चार लोगों को नया जीवन मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा

किन परिस्थितियों में अंगदान का फैसला

प्रधानमंत्री ने मन की बात में उनके बड़े बेटे भाई अभिजीत चौधरी से भी बात की। पीएम मोदी ने कहा- अभिजीत जी आप एक ऐसी मां के बेटे हैं, जिसने आपको जन्म देकर एक प्रकार से जीवन तो दिया ही, लेकिन जो अपनी मृत्यु के बाद भी कई लोगों को जीवन देकर गई। एक पुत्र के नाते अभिजीत आप जरूर गर्व अनुभव करते होंगे। उन्होंने अभिजीत से पूछा कि किन परिस्थितियों में उन्होंने अपनी मां के अंगदान का फैसला लिया?

मॉर्निंग वॉक के दौरान हादसे में हुई थी घायल

अभिजीत ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनकी मां-पिता सरायकेला के एक छोटे गांव में रहते हैं। उनकी मां पिछले 25 साल से लगातार मॉर्निंग वॉक करने जाती थीं। इसी दौरान सुबह 4 बजे घटना के दिन भी उनकी मां मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थीं। उसी दौरान एक मोटरसाईकिल वाले ने उन्हें पीछे से धक्का मार दिया। इस हादसे में उन्हें बहुत ज्यादा चोट लगी। तुरंत उन्हें जमशेदपुर के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई। 48 घंटे के बाद डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। फिर वे अपनी मां एयरलिफ्ट कर दिल्ली एम्स ले गए। 7 से 8 दिनों तक वहां उनका इलाज हुआ। बाद में पता चला कि उनकी ब्रेन डेथ हो गयी है। तब फिर डॉक्टर साहब ने उन्हें प्रोटोकॉल के साथ अंगदान के बारे में जानकारी दी। इस बारे में पिता जानकारी देने से बच रहे थे, लेकिन जैसे ही पिता से इस संबंध में बात की, तो उन्होंने कहा- मम्मी का बहुत मन था और हमें ये करना है। अभिजीत ने बताया कि वे पहले काफी निराश थे कि उनकी मम्मी बच नहीं सकेंगी, पर जैसे ही अंगदान की प्रक्रिया शुरू हुई, उनकी निराशा पॉजिटिव वातावरण में बदल गई। इसमें उनकी मम्मी का एक बहुत बड़ा सौच था कि पहले वो नेत्रदान करें। शायद यही सौच को लेकर इतना बड़ा निर्णय परिवार कर पाया। उनकी मां का हार्ट, दो किडनी, लीवर और दोनों नेत्र का दान हुआ। इससे चार लोगों को नई जिन्दगी और दो लोगों को आंख मिल सका।



पीढ़ी के लिए ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभिजीत चौधरी, उनके पिता और माताजी सभी नमन के अधिकारी हैं। परिवार ने जो काम किया, ये वाकई बहुत ही प्रेरक है। मां जो परंपराएं छोड़ कर जाती हैं, वो पीढ़ी-दर-पीढ़ी, एक बहुत बड़ी ताकत बन जाती हैं। अंगदान की प्रेरणा आज पूरे देश तक पहुंच रही है। देश में आज बड़ी संख्या में ऐसे जरूरतमंद हैं, जो स्वस्थ जीवन की आशा में अंगदान करने वाले का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें संतोष है कि अंगदान को आसान बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए पूरे देश में एक जैसी पॉलिसी पर भी काम हो रहा है। इस दिशा में राज्यों के डोमिनाइल की शर्त को हटाने का भी निर्णय लिया गया है।

सपरिवार दिउड़ी मंदिर पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन, की पूजा



प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थी को तीन लाख, दूसरे को दो लाख व तीसरे को एक लाख का पुरस्कार

मैट्रिक-इंटर के स्टेट टॉपरों को सीएम करेंगे पुरस्कृत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 2023 के मैट्रिक-इंटर (10वीं व 12वीं) के स्टेट टॉपरों को सोमवार को पुरस्कृत करेंगे। धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री विद्यार्थियों को पुरस्कृत करेंगे।

वर्ष 2023 की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में राज्य में प्रथम तीन स्थान पर रहनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा। पहले स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी को तीन लाख, दूसरे स्थान पर रहने वाले को दो लाख और तीसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी को एक लाख रुपये पुरस्कार राशि दी जायेगी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से इस संबंध में सभी जिलों को पत्र जारी कर दिया गया है।

पत्र में संबंधित जिलों के पदाधिकारियों को 27 मार्च को 10 बजे तक प्रोजेक्ट भवन सभागार में संबंधित विद्यार्थी व अभिभावक के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। विद्यार्थी के समारोह में भाग नहीं लेने की स्थिति में अभिभावक समारोह में शामिल होंगे।



तीनों बोर्ड के 68 विद्यार्थी होंगे पुरस्कृत

झारखंड एकेडमिक काउंसिल, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड मिला कर कुल 68 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा। 10वीं के कुल 30 विद्यार्थी को पुरस्कृत किया जायेगा। इसमें सबसे अधिक 14 विद्यार्थी जैक बोर्ड के हैं। जबकि, सीबीएसई के नौ एवं आईसीएसई बोर्ड के सात विद्यार्थी हैं। 12वीं कला में तीनों बोर्ड से टॉप तीन में तीन-तीन विद्यार्थी शामिल हैं। कुल नौ विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा। 12वीं विज्ञान संकाय में जैक बोर्ड के तीन, सीबीएसई के पांच और आईसीएसई बोर्ड के सात विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा। वाणिज्य संकाय में जैक बोर्ड के पांच, सीबीएसई के तीन और आईसीएसई बोर्ड के छह विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा।

और साल के पेड़-पौधे हैं। तालाब के पानी का उपयोग गांव के दूसरे किसान भी खेती से लेकर नहाने-धोने के लिए करते हैं। इलाके में पहले वर्ष भर में केवल धान की एक फसल होती थी। अब चुम्बरू के साथ गांव के लोग अपने खेतों में टमाटर, गोभी, हरी मिर्च, धनिया आदि की भी खेती कर रहे हैं।

रिम्स में गवर्निंग बॉडी की बैठक में कई प्रशासनिक प्रस्तावों को दी गई स्वीकृति

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बना गुला की अध्यक्षता में रविवार को रिम्स में गवर्निंग बॉडी की बैठक हुई। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा मरीजों को अच्छी क्वालिटी के बेडशीट और कंबल उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। डॉक्टरों को प्रमोशन अव उनके रिसर्च के आधार पर मिलेगा, जिसमें तय समय सीमा में रिसर्च करने वाले डॉक्टरों को प्रमोशन दिया जाएगा। इसके अलावा हॉस्पिटल में मैपावर की बढ़ोतरी होगी, जिससे कि इलाज को आने वाले मरीजों को बेहतर सर्विस मिल सकेगी।

रिम्स अंतर्गत सुपर स्पेशियलिटी भवन के विस्तार, मातृ एवं शिशु अस्पताल, रिम्स के ओपीडी, आईपीडी ब्लॉक का भवन निर्माण के लिए डीपीआर पर विचार करने

के बाद प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। रिम्स रांची अंतर्गत भवन निर्माण विभाग 27 प्राक्कलन, निर्माण विभाग 25 एवं पेयजल विभाग 37 प्राक्कलन कुल 89 प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक के अन्य निर्णय

रिम्स के निधि से बैटरी ऑपरेटेड 10 सीटर 4 वाहन की स्वीकृति प्रदान किया गया। जर्जर लिफ्टों की मरम्मत और नये लिफ्टों के क्रय पर सहमति, लिफ्ट मैन की व्यवस्था अलग से की जाएगी। मरीजों के लिए अच्छे बेडशीट और कंबल खरीदने का निर्देश दिए गए। लॉन्ड्री सेवा के लिए एजेन्सी की सेवा समाप्त करते हुये नियमानुसार नई एजेन्सी का चयन किया जाए। लैब मेडिसीन, सेन्ट्रल लैब इत्यादि विभाग से आवश्यक रीएजेंट, आईपीडी ब्लॉक का भवन निर्माण के लिए डीपीआर पर विचार करने



पैथोलॉजी विभाग को सुदृढ़ कर लिया जाएगा। विभागों को आवश्यक राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

रिम्स में प्राइवेट लैब / रेडियोलॉजिस्ट सेवा नहीं लेने पर सैद्धान्तिक निर्णय लिया गया। इससे पूर्व संबंधित विभाग अपने आवश्यकता का आकलन कर लेंगे। सीएमएससी वेल्लौर का सिस्टम का अध्ययन कर लिया जाए। पुरानी बिल्डिंग में लगी एक्सरे मशीन की जगह नई मशीन मरीजों के लिए लिया जाए और आवश्यक मैम

पावर उपलब्ध कराया जाए। रिम्स में वरीय सेप्टी ऑफिसर एवं जूनियर सेप्टी ऑफिसर को नामित किया जाए। फायर मॉकड्रिल समय-समय पर कराया जाए। एक कंट्रोल रूम प्रशासनिक भवन में शुरू किया जाए।

रिम्स में एक्सट्रा वर्कलोड के कारण तथा भारतीय परिचारिका परिषद के नियमानुसार परिचारिका श्रेणी के पदों के सृजन के संबंध में स्वीकृति दी गई। भारतीय नर्सिंग परिषद के मापदंड के आलोक में परिचारिक संवर्ग के विभिन्न पदों

का आकलन के अनुसार वर्तमान स्वीकृत मानव बल के अतिरिक्त निम्न की आवश्यकता है। इसमें स्टॉफ नर्स 2857, नर्सिंग सिस्टर 137, सहायक नर्सिंग अधीक्षक 8, नर्सिंग अधीक्षक 2, चीफ नर्सिंग अधीक्षक 1 शामिल हैं।

प्रस्ताव स्वीकृत पूर्व में रिम्स में रिक्त पदों पर रिम्स स्तर पर चयन समिति का गठन करते हुए अनुबंध पर कार्यरत कर्मियों को प्राथमिकता दी जाएगी। नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण किया जाए। विशिष्ट अतिथियों के कार्डियक एम्बुलेंस के लिए 24 घंटे मैमपावर की सुविधा मिलेगी। डॉक्टरों को प्रमोशन इस शर्त के साथ दिया जाएगा कि उन्होंने तय समय सीमा में कितने रिसर्च पेपर समर्पित किया है। शपथ पत्र का प्राारूप निदेशक रिम्स की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा तैयार किया जायेगा।

हॉस्पिटल में लंबे समय से

डॉक्टरों का प्रमोशन पेंडिंग है। इसे लेकर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से जल्द प्रमोशन देने की मांग रखी। नर्सों ने भी अपनी मांगों से उन्हें अवगत कराया। एसोसिएशन ने और नर्सों की बहाली की मांग रखी, जिससे कि इलाज के लिए आने वाले मरीजों को समय पर दवा व इंजेक्शन मिल सके। इसके अलावा नर्सों ने पुरानी पेंशन को लागू करने की मांग रखी।

बैठक के दौरान हॉस्पिटल में ड्यूटी से हटाए गए सिक्वोरिटी गाइड्स स्वास्थ्य मंत्री से मिले, जहां गाइड्स ने स्वास्थ्य मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। साथ ही बताया कि उनके दो महिने का पेमेंट रिम्स प्रबंधन ने नहीं दिया है। इस वजह से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से गुहार लगाई कि जब उन्हें ड्यूटी से हटा दिया गया है तो बकाया पेमेंट भी दिलावा दी जाए।

बिहार के किसानों ने बीएयू का कृषि यंत्र संग्रहालय देखा



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : बिहार के आत्मा, रोहतास संस्थान के सौजन्य से 30 प्रागतिशील किसानों के दल ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियंत्रण विभाग एवं कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय का भ्रमण किया. मौके पर अध्यक्ष एवं एसोसिएट डीन ई डीके रुसिया ने किसानों को हस्तचालित, बैलचालित, विद्युत शक्ति चालित एवं सौर चालित कृषि यंत्र एवं उपकरणों का प्रयोग एवं उपयोगिता की विस्तृत जानकारी प्रदान की. इस दौरान उन्होंने बीएयू द्वारा हाल में विकसित ग्यारह कृषि यंत्र एवं यूजी छात्रों द्वारा निर्मित छोटे कृषि यंत्रों के बारे में बताया. सभी किसानों ने बीएयू निदेशालय प्रसार शिक्षा के मार्गदर्शन में भ्रमण कार्यक्रम में शामिल हुए.

बीएयू के मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों ने सिफेस्ट में तृतीय पुरस्कार जीता

रांची क आईसीएआर - केन्द्रीय मात्स्यकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्टूडेंट कन्वेंशन सिफेस्ट झ्र 2023 आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में हूजलवावु परिवर्तन पर विद्यार्थियों के सुझावह्ण शीर्षक पर विचार, मॉडल एवं अवधारणा का प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता में मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालय, गुमला के छात्रों ने भी भाग लिया. कार्यक्रम में देश भर से कुल 25 मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया.

मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालय, गुमला से तृतीय वर्ष के छात्रों में साम्भवी कुमारी मिश्रा, उत्तम

नारायण, देवाशीश पॉल, अभिषेक कुमार, अनुप कुजूर, नम्रता बख्ता, पंकज कुमार एवं प्रथम वर्ष के छात्र प्रसन्न पाण्डेय ने भाग लिया. जलवायु परिवर्तन पर विद्यार्थियों के सुझाव के प्रस्तुतीकरण में महाविद्यालय के साम्भवी कुमारी एवं बर्धाई दी. महाविद्यालय के छात्रों की कामयाबी पर एसोसिएट डीन डॉ एंके सिंह एवं सभी प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाओं तथा छात्रों ने भी खुशी व्यक्त की है और दोनों छात्रों को बधाई दी है।

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा बिहार के रोहतास एवं मधुबनी जिले के किसानों के लिए आयोजित 5 दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन रविवार को हुआ. आत्मा, रोहतास के सौजन्य से बकरीपालन की उन्नत तकनीकी तथा आत्मा, मधुबनी के सौजन्य से उन्नत कृषि तकनीकी विषयक दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 60 किसानों ने भाग लिया. दोनों कार्यक्रमों का आयोजन बीएयू परिसर स्थित किसान भवन में किया गया.

5 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मधुबनी जिले के 30 किसानों को उन्नत कृषि तकनीकी विषयक के तहत एकीकृत कृषि प्रणाली, प्रमुख सब्जियों, फलों एवं मक्का की वैज्ञानिक विधि से खेती, ड्रिप सिंचाई एवं पॉली हाउस तकनीकी, मधुमखड़ी पालन, कृषि यंत्र, जैव उर्वरक तथा फसलों का रोग एवं कीट प्रबंधन विषयों की प्रौद्योगिकी से अवगत कराया गया. किसानों को हार्प, प्लांटूड में एकदिवसीय प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया. प्रशिक्षण पूर्व किसानों का मूल्यांकन एवं अपेक्षाओं की विवेचना केवीके, सिमडेगा के वैज्ञानिक डॉ बन्धु उराँव ने किया. किसानों को प्रशिक्षण डॉ सीएस सिंह, डॉ अब्दुल माजिद अंसारी, डॉ मिंटू जाँव, डॉ प्रमोद राय, डॉ रविन्द्र कुमार



एवं डॉ एचसी लाल प्रदान किया.

5 दिवसीय दुसरे प्रशिक्षण के दौरान रोहतास जिले 30 किसानों को बकरीपालन की उन्नत तकनीकी के अधीन ग्रामीण क्षेत्रों में बकरीपालन पालन का महत्त्व, बकरी के विभिन्न उन्नत नस्ल, पोषक आहार एवं दाना मिश्रण, आवास, दैनिक कार्य एवं फार्म प्रबंधन, गर्भवती बकरी का देखभाल, मेमनों की देखभाल, प्रजनन तकनीक, प्रमुख बीमारियों की पहचान, निदान एवं टीकाकरण एवं अन्य समस्याएं और निदान विषयों की जानकारी दी गयी. किसानों को वेटरनी संकाय स्थित बकरी प्रायोगिक फार्म, मुर्गी एवं सुकर फार्म का एकदिवसीय प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया. इस प्रशिक्षण के पूर्व किसानों का मूल्यांकन एवं अपेक्षाओं की विवेचना केवीके, सिमडेगा के वैज्ञानिक डॉ बन्धु उपरुक्त तथा परियोजना निदेशक का आभार जाताया. संचालन एवं धन्यवाद डॉ बन्धु

रविन्द्र कुमार, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ अंसार अहमद, डॉ नंदिनी कुमारी, डॉ निर्मला मिंज, डॉ मुकेश कुमार, डॉ निशांत पटेल, डॉ एसके रजक, डॉ सुबोध कुमार, डॉ पुनीता कुमारी ने प्रशिक्षण प्रदान किया.

रविवार को किसान भवन में आयोजित समापन समारोह में निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ जगरनाथ उराँव ने दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागी किसानों से प्रशिक्षण में मिली जानकारीयों एवं अनुभवों के संबंध में जाना. उन्होंने प्रशिक्षण में मिले नवीनतम तकनीकी जानकारीयों का कृषि कार्यों में सफल उपयोग करने तथा गाँव के अन्य किसानों को अवगत कराने पर जोर दिया. उन्होंने सभी 60 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया और बिहार के दोनों संस्थान आत्मा, मधुबनी एवं आत्मा, रोहतास के अध्यक्ष - सह-उपकुल तथा परियोजना निदेशक का आभार जाताया. संचालन एवं धन्यवाद डॉ बन्धु

उराँव ने दी. दोनों कार्यक्रमों के सफल संचालन में राजेश कुमार सिंह, प्रवीण तरुण एक्का, निर्मल कुमार एवं आरएन ठाकुर ने सहयोग दिया.

सोमवार से तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसल पर केवीके वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण झ्र सह- कार्यशाला का आयोजन

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा सोमवार से तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसलों की खेती को बढ़ावा हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण झ्र सह-कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा. इस कार्यक्रम में राज्य के सभी 24 जिलों के केवीके वरीय वैज्ञानिक, प्रधान एवं वैज्ञानिक भाग लेंगे. कार्यक्रम का आयोजन बीएयू परिसर स्थित किसान भवन में होगा. निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ जगरनाथ उराँव ने बताया कि कुलपति डॉ अँकार नाथ सिंह के निर्देश पर जिलों में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से राज्य में तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान झारखंड राज्य में तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसलों के आच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में बढ़ोतरी विषय पर भावी रणनीति एवं तकनीकी विषयों पर फसल विशेषज्ञ एवं केवीके वैज्ञानिकों से रणनीतिक चर्चा से आगामी खरीफ मौसम की रणनीति तय की जायेगी।

16वीं एरोबिक जिम्नास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रतियोगिता जिम्नास्टिक खिलाड़ी हुए बेंगलुरु के लिये रवाना

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : कर्नाटक, बंगलोर मे 29 से 31 मार्च 2023 तक आयोजित 16वीं एरोबिक जिम्नास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप (सभी आयु वर्ग-यथा-सीनियर, जूनियर तथा सब-जूनियर प्रतियोगिता) मे भाग लेने झारखण्ड जिम्नास्टिक संघ की 34 सदस्यीय टीम हटिया एसएमवीटी एक्सप्रेस ट्रेन से बंगलोर के लिये रवाना हुई।

झारखंड राज्य जिम्नास्टिक टीम के खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के लिए झारखण्ड खेलकूद एवम युवा कार्य विभाग



की निर्देशक सरोजिनी लकड़ा,खेल परामर्शी देवेन्द्र कुमार,झारखंड जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष आर॰के॰आनन्द,झारखंड ऑलंपिक संघ के सचिव मधुकांत पाठक,

झारखंड जिम्नास्टिक संघ के महा-सचिव निशिकांत पाठक,कार्यकारी सचिव राजीव रंजन, कोषाध्यक्ष,गोविंद झा,उपाध्यक्ष -तूलिका श्रीवास्तव,प्रशासनिक सचिव

दीपक कु॰ गुप्ता,देवपुजन ठाकुर, आशुतोष द्विवेदी,धनबाद जिला जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष शशिकांत पाण्डेय,गुमला जिला जिम्नास्टिक संघ की अध्यक्ष मुक्तिलता खेस तथा अन्य जिला संघों ने टीम के जीत की शुभकामनाएं दीं। ज्ञात हो कि राज्य सरकार के द्वारा राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम को किट भी प्रदान किया गया। झारखण्ड जिम्नास्टिक एसोसिएशन के द्वारा चयनित टीम को लगातार आरके आनंद लॉन बॉल स्टेडियम, नामकुम में प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

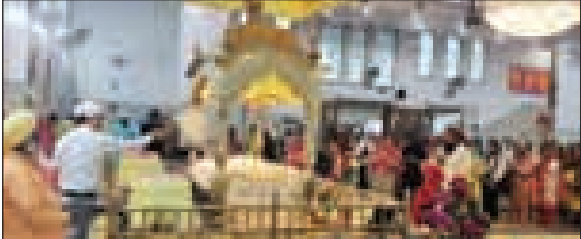
वैसाखी के उपलक्ष में तीन दिवसीय समागम का सफल समापन

गुरुनानक सेवक जत्था ने सजाया शुक्राने का दीवान

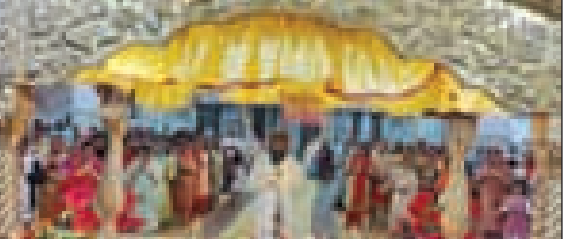
नवप्रदेश संवाददाता

रांची : साहिब मेरा एको है भाई एको है, तू सच्चा साईं प्रभ पास जन की अरदास, छड सिंहासन हर जी आये, गुरुनानक की वडिआई तथा किलविखो नसर्वजो करता घर आया...जैसे एक से बढ़कर एक शबद गायनों से साध संगत निहाल हो गई.मौका था वैसाखी पर्व के तीन दिवसीय आयोजन के सफल समापन के उपलक्ष्य में गुरुनानक सेवक जत्था द्वारा 26 मार्च,रविवार को दोपहर 3.30 बजे से शुक्राने के सजाये गए दीवान का.

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुद्वारा साहिब में दीवान की शुरुआत दोपहर 3.30 बजे श्री सुखमनी साहिब जी के सामूहिक



पाठ से हुई. स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा गुर नानक की वडिआई... एवं तेरा कीया मीठा लागै हर नाम पदार्थ नानक मांगे... शबद शासन किया गया.तत्पश्चात गायन 4.30 बजे से 5.15 बजे तक गुरुद्वारा साहिब के हजुरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी एवं साथियों ने जिनके चोले रतड़े प्यारे कंत जिना के पास... एवं उठत बैठत खोवत जागत एह मन तुझे चितारे.सुख दुख इस मन की विरथा तुझ ही



आगे सारे... शबद गायन प्रस्तुत कर उपस्थित साध संगत को गुरवाणी से जोड़ा.

श्री अनंद साहिब के पाठ, गुरुद्वारा के हेड ग्रन्थी ज्ञानी जिवेंदर सिंह द्वारा अरदास, हुक्मनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ शाम 5.45 बजे दीवान की समाप्ति हुई.मंच संचालन करते हुए गुरु घर के सेवक मनीष मिठा ने वैसाखी पर्व के सफल समापन के लिए गुरुनानक सेवक जत्था एवं समूह साध संगत का आभार जताया और

इसी तरह गुरुघर की सेवा से जुड़े रहने का आह्वान किया. दीवान समाप्ति के उपरांत जत्था द्वारा चाय नाश्ते का लंपर चलाया गया. आज के दीवान में द्वारका दास मुंजाल,वेद प्रकाश मिठा, अमरजीत गिरधर, नरेश पपनेजा, गुरदीप मलहोत्रा, आशु मिठा, नवीन मिठा, मोहन काठपाल, जीवन मिठा, रमेश पपनेजा, इंदर मिठा, रांकेश गिरधर, रमेश तेहरी, ललित गखड़, ईशान काठपाल, मनीष गिरधर, अमन डावरा, सूरज

झंडई, पीयूष मिठा, रौनक ग्रोवर, करण अरोड़ा, जीत सिंह, कशिश नागपाल, जयंत मुंजाल, ऋषभ शर्मा, बीबी प्रीतम कौर, गीता कटारिया, बबली दुआ, मनोहरी काठपाल, सीता दुआ, तीर्थी काठपालिया, विमला मिठा, रमेश गिरधर, रानी मुंजाल, मंजीत कौर, गोविन्द कौर, मीना गिरधर, उषा झंडई, रेखा मुंजाल, बंसी मलहोत्रा, नीतू किंगार, इंदु पपनेजा, नीता मिठा, खुशबू मिठा, गुडिया मिठा, रानी तलेजा, रजनी तेहरी

की योजना बना रहे थे। एसएसपी किशोर कोशाल को सूचना मिली थी कि कुछ उग्रवादी बुद्धू इलाके की सीमा में किसी बड़ी घटना के अंजाम देने के फिराक में है। एसएसपी ने खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। दोनों जिलों की पुलिस ने सीमावर्ती इलाके में घेराबंदी की और सर्च अभियान शुरू किया। तभी केरेंडारी थाना क्षेत्र में उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं और पुलिस को भारी पड़ता देख उग्रवादी भाग निकले। हालांकि एक उग्रवादी पकड़ा गया, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

एक नजर

स्वर्ण भूमि अन्नपूर्णा सेवा में 200 व श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा में 130 लोगों ने किया भोजन



रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित पुरुलिया रोड स्थित अन्नपूर्णा सेवा में आज 200 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया। इस अन्नपूर्णा सेवा केंद्र पर स्मृति शेष चंद्रकला मित्तल की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनके परिवार द्वारा प्रायोजित था इस अवसर पर मित्तल परिवार के काफी लोग उपस्थित थे। मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित दूसरे केंद्र तिरुपति मंदिर के सामने श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा में 130 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया। इस अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा की माता अन्नपूर्णा लोगों को इसी प्रकार सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करें और प्रभु की कृपा सदैव इनके परिवार पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी। इस अवसर पर-छगन पटेल, प्रमोद अग्रवाल, मनोज रुईया, ललित कुमार पोद्दार, प्रदीप नारसरिया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, रमेश बंका, संजय सर्राफ,अंजनी बुधिया, सहित कई लोग उपस्थित थे। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया है कि दोनों अन्नपूर्णा सेवा स्व॰ सत्यनारायण नारसरिया एवं स्व. शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित है।

सरना पाहन विकास समिति के तत्वावधान में निकाली गई भव्य सरहुल शोभायात्रा

मांदर की थाप पर झूम उठे लोग

नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड के सरना पाहन विकास समिति ईटा के तत्वाधान में रविवार को ढोल नगाड़ा व मांदर की थाप पर पारम्परिक संस्कृति और वेशभूषा में झांकी के रूप में हजारों सरना आदिवासियों ने प्रकृति पर्व सरहुल की भव्य शोभा यात्रा निकाली। सरना पाहन विकास समिति ईटा के संरक्षक सोमरा उरांव, अध्यक्ष महावीर खाखा सचिव दिलु मिंज,कोषाध्यक्ष रवि उरांव, ग्राम प्रधान बुधराम बाड़ा तथा कार्यसमिति के सदस्य जगन्नाथ उरांव के संयुक्त नेतृत्व में ईटा गांव के अखरा से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। सरहुल शोभायात्रा जुलूस में युवक व युवतियों ने परंपरागत वेशभूषा में ढोल नगाड़ा के साथ परंपरागत नृत्य किया।

सरहुल शोभायात्रा जुलूस के दौरान बतौर मुख्य अतिथि मुखिया अनिता बाड़ा भी शामिल हुई। मुख्य अतिथि मुखिया अनिता बाड़ा शोभायात्रा के आगे आगे मांदर की थाप पर थिरकते हुए महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईटा गांव में सरना पाहन विकास समिति गांव के विकास के लिए बेहतर कार्य कर रही है। ईटा गांव में सरकार की बेहतरीन योजनाओं को क्रियान्वित करने तथा जल, जंगल, जमीन की रक्षा के साथ-साथ गांव का विकास समिति का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं गांव के ग्राम प्रधान और पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने कहा कि गांव के विकास के लिए सभी लोगों को मिलजुल कर आगे आने की जरूरत है। उन्होंने लोगों को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी। सरहुल शोभा यात्रा ईटा गांव के अखरा, ईटा बस्ती, होते हुए



मुख्य सड़क पहुंचा। यहां से शोभायात्रा सरना स्थल पहुंची। शोभा यात्रा सरना स्थल पर प्रार्थना सभा में बदल गई। यहां पाहन पुजार सहित गांव के सभी प्रमुख

लोगों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ईटा गांव के पाहन मंगरा उरांव, पुजार महावीर उरांव सहित सरना पाहन विकास

समिति ईटा के संरक्षक सोमरा उरांव, अध्यक्ष महावीर खाखा, सचिव दिलु मिंज कोषाध्यक्ष रवि उरांव, कार्यकारिणी सदस्य जगन्नाथ उरांव,भगिया उरांव,

राकेश कुजूर, सुभाष टोप्पी, मंजू उरांव जयंती लकड़ा, मुखिया अनिता बाड़ा,ग्राम प्रधान सह पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हाथियों का उत्पात जारी, किसानों का तैयार फसल किया बर्बाद



नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो : प्रखंड के मासू गांव में नहीं थम रहा हाथी का उत्पात गेहूं व सब्जी की फसलों को खाकर व रौंद कर उत्पात मचा रहा है। जहां शनिवार की रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे दो विशालकाय जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। जिसमें मासू गांव के संजय उरांव,मंगरा उरांव,बंदी उरांव,बंधना टाना भगत,नंदु भगत,लेला उरांव,सुखदेव भगत,भरत महतो,मोहन महतो के तैयार गेहूं के फसल खाकर व रौंद कर बर्बाद कर दिया। इसके बाद हाथी ने आनंद उरांव के

फ्रेंचबीन,मिर्चा, प्याज व गेहूं खाकर व रौंदकर बर्बाद कर दिया। खेतों में रौंदे फसल को देखकर किसान कराह रहे है।वही किसानों व ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के जिम्मेदारों को सूचना देने के बावजूद नहीं आते है। हमें वन विभाग से किसी तरह की मदद नहीं मिल रहा है। जिससे ग्रामीणों के बीच आक्रोश व्याप्त है। मासू गांव पिछले तीन सप्ताह से जंगली हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। जिसके चलते ग्रामीण शाम होते ही अपने घरों में दुबक जा रहे हैं। गांव के ग्रामीण रतजगा करने को विवश हैं। इस हाथी का उत्पात किसानों के लिए



मुसीबत बना हुआ है। वहीं सांसद,विधायक व विभाग के अधिकारी कुम्भकर्णी निद्रा में सोए हुए हैं। वही जंगल में डेरा जमाए हाथी खेतों में लगी सब्जियों व फसल को खाकर व रौंदकर हर दिन नुकसान पहुंचा कर तहस नहस कर रहा है। इधर किसानों के तैयार फसल बर्बाद होने से उन्हें चिंता सता रही है कि दुकानदारों व बैंक का कर्ज कैसा चुकता करे। गांव के समाज सेवी संजय उरांव का कहना है कि ग्रामीण हाथियों के आतंक से परेशान और भयभीत हैं। लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इनकी सुधि नहीं लिया जा रहा है। गांव वालों की मानें तो हाथी ने

गांव के पास के जंगलों में ही बसेरा बना लिया है और रात होते ही गांव के घरों व तैयार हो चुके फसल को निशाना और निवाला बनाते हैं। उन्होंने किसानों की नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन द्वारा जल्द क्षतिपूर्ति देने की मांग की है। ज्ञात हो कि मासू गांव में 6 मार्च से जारी है हाथी का उत्पात रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गांवों में लगातार जंगली हाथी का उत्पात व उपद्रव जारी है। ग्रामीण इससे बेहद परेशान हैं। ग्रामीण व किसान प्रशासन तथा वन विभाग से जंगली हाथियों को भगाने व इनके उत्पात से निजात दिलाने की मांग कर रहे हैं।

खरना के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व



नवप्रदेश संवाददाता

रातू : सुगोपांसना का सबसे बड़ा त्योहार चैती छठ महापर्व को लेकर रातू बड़ा तालाब तैयार है। सोमवार को सैकड़ों लोग अस्ताचलगामी सुर्व को अर्घ्य देंगे। वही मंगलवार सुबह भगवान भुवन भाष्कर को अर्घ्य देने के साथ ही चैती छठ महापर्व का समापन होगा। खरना में खीर का

लगा भोग-छठ महापर्व के दुसरे दिन सुबह से उपवास में रही छठव्रतियो ने शाम में खरना किया। खरना के बाद खीर को प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। प्रसाद लेने के लिए श्रद्धालुओं को छठ पूजा करने वाले लोगो के घर आते जाते देखा गया। जो देर रात तक चला। छठव्रतियो का 36 घंटे का निर्जला उपवास आज से शुरू हो गया।

झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़हा समाज सरहुल महोत्सव का किया आयोजन

सरहुल पर्व आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का प्रतीक : रामेश्वर उरांव

नवप्रदेश संवाददाता

ओरमांडी : प्राकृतिक पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़ाह समाज सरहुल महोत्सव मुना पतरा चकला ओरमांडी सरहुल पूजा परंपरागत रीति रिवाज के साथ पूरी हुई। मुख्य संरक्षक रमेश उरांव ने मंच का सफल संचालन विधि विधान के साथ किए और सरहुल महोत्सव एवं पूजा में बड़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी और जवाबदेही को समझे सरहुल पूजा की। मुख्य और श्री उरांव जी ने कहे की इस ऐतिहासिक अस्थल पर लाखों की संख्या में आदिवासी महिलाएं पुरुष अपने पारंपरिक वेशभूषा ढोल नगाड़े लाल पाल साड़ी धोती गंजी के साथ भिन्न-भिन्न गांव से नाचते गाते लाखों की संख्या में शामिल हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिथि रामेश्वर उरांव वित्त मंत्री मौके पर उपस्थित थे।



उन्होंने यहां पूजा अर्चना कर झारखंड वासियों के जीवन में सुख शांति समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व प्राकृतिक और पेड़ों की पूजा जाती है तथा यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति प्रेम और

श्रद्धा रखने का संदेश देता आपसी भाईचारा एकता का भी संदेश देता है यह पर्व हमें समाज में एकजुटता के साथ रहना सिखाता है। वहीं विशिष्ट अतिथि खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि

सरहुल पर्व आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का प्रतीक सुखवा वृक्ष विशेष पूजा होती है तथा श्री कच्छप जी ने यह भी कहा कि सखवा को साहस, हिम्मत,संघर्ष और धैर्य का प्रतीक माना जाता है, पूरे विधि विधान से होती है इनकी पूजा-अर्चना।

मूलभूत समस्याओं को लेकर भ्रमण

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : आदित्य विक्रम जयसवाल आपके द्वार कार्यक्रम के तहत झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स काँग्रेस के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल, प्रोफेशनल्स काँग्रेस की मीनाक्षी सिंह, महानगर अध्यक्ष कृष्णा सहाय , ग्रामीण अध्यक्ष संजीव महतो, प्रदेश कोऑर्डिनेटर अनिल सिंह ने मुंडा बस्ती, गोसाईं टोली में मूलभूत समस्याओं को लेकर भ्रमण किया और स्थानीय लोगों से मिले।

उपस्थित महिलाओं और युवाओं ने बताया कि यहाँ नाली, बिजली, बिजली के खंभे, पानी , सड़क की समस्या व्याप्त है, पानी की टंकी, मोटर, डस्टबिन, नाली की सफाई ना होने से आवे दिन फैल रही बीमारियों की समस्या,स्ट्रीट लाइट आदि समस्या है। उपस्थित महिलाओं और युवाओं ने यह भी बताया कि सरना



के अखाड़ा स्थल में कुछ सामानों की आवश्यकता है, अखड़ा भवन का गेट निर्माण करवाना है जिससे पूजा सुचारू रूप से चलती रहे। सरना स्थल की पूजा के लिए कुछ सामानों की उन्होंने आवश्यकता बताई। झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स काँग्रेस के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने लोगों की सभी समस्याओं को गौर से सुना और कहा कि ढोल, मांदर, नगाड़ा, साउंड यह सब मैं अपनी तरफ से

भेज दूंगा। हमारी सरकार संवेदनशील है और उनके कार्यों को आप तक पहुंचाने का प्रयास भी करूंगा साथ ही साथ राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग सर्टिफिकेट, आदि जितनी भी आवश्यकताओं की जरूरत एक इंसान को होती है सारी चीजों का कैप आने वाले महीने से लगना चालू होगा जिससे लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना

पड़ेगा। मौके पर मीनाक्षी सिंह ने महिलाओं को आश्चस्त भी किया कि ‘रोजगार आपके द्वार’ के तहत महिला सशक्तिकरण के तहत व्यूटीशियन कोर्स वगैरह भी कराएंगी और यह सारी समस्याओं का जल्द से जल्द हमारी टीम निवारण करने का प्रयास करेगी।

मौके पर प्रोफेशनल्स काँग्रेस की मीनाक्षी सिंह , महानगर अध्यक्ष कृष्णा सहाय, ग्रामीण अध्यक्ष

गढ़े में डूबने से किशोरी की मौत

गोड्डा : जिले के मेहरमा प्रखंड अंतर्गत इटहरी गांव में चेक डैम निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में जमा पानी में डूबने से गांव की 12 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। घटना शनिवार देर शाम की है। देर रात उसका शव गांव लाया गया।

यूथ काँग्रेस ने किया ‘यंग इंडिया के बोल सीजन-3’ का विमोचन

नवप्रदेश संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिला के डाक बंगला में युवा काँग्रेस द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया था जिसमें ‘यंग इंडिया के बोल सीजन - 3’ प्रतियोगिता का विमोचन किया गया। यंग इंडिया के बोल काँग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया भारतीय युवा काँग्रेस का एक महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट है जिसके तहत आम और सामान्य पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली युवाओं को राजनीतिक मंच मुहैया कराया जाता है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि जिस दौर में भाजपा नागरिकों की अभिव्यक्ति पर आक्रमण कर रही हैं उस दौर में युवा काँग्रेस देश के युवाओं को

बोलने का मंच प्रदान कर रही हैं। आम और सामान्य परिवार के युवाओं को राजनीति से जोड़कर सहभागी लोकतंत्र को मजबूत बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है। पिछले दो सीजन की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब युवा काँग्रेस तीसरा सीजन शुरू कर रही है। आज देश महंगाई, बेरोजगारी, सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री, चीनी घुसपैठ, किसान समस्या, गिरती हुई अर्थव्यवस्था जैसे कई अन्य ज्वलंत मुद्दे से घिरी है किंतु भाजपा सरकार इन असल मुद्दों से देश का ध्यान भ्रमित करने के लिए निरर्थक व उन्मादी मुद्दों को हवा देने का काम करती हैं ऐसे में इस प्रतियोगिता का सीजन - 3 भी देश के युवाओं की मुखर आवाज बनने

का काम करेगा। विमोचन समारोह में राष्ट्रीय प्रवक्ता पुवराज सिंह यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सह खूंटी जिला प्रभारी निशा भगत, खूंटी जिला सह प्रभारी मोहम्मद शादाब अखन, खूंटी जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सांगा , प्रदेश उपाध्यक्ष कृतिका त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता शशिकांत, प्रदेश महासचिव पिष्या बर्मन, प्रदेश महासचिव प्रियंका सिसोदिया , खूंटी विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान खान, नगर महासचिव मोहम्मद शकील, खूंटी प्रखंड अध्यक्ष अनमोल धान, एंजिला कुजूर, बहलनेन, बहा मुंडा , दशरथ, सरफराज अंसारी, निकोदिम, राजू मुंडा समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे थे।

एक नजर

सड़क किनारे महिला का प्रसव

रांची : शहर के पुंदंग ओपी के जोहार नगर में रविवार सुबह करीब 7.30 बजे कचरा चुनने निकली महिला ने सड़क किनारे बच्चे को जन्म दिया। आसपास के लोगों ने महिला को प्रसव पीड़ा में देखकर मानवता दिखायी और महिलाओं ने सड़क किनारे ही महिला की डिलीवरी करायी। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्रसव के बाद पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर जच्चा-बच्चा को सदर अस्पताल भेजा। स्थानीय महिलाओं के अनुसार महिला बिरसा चौक की रहने वाली है। वह पुंदंग ओपी क्षेत्र में कचरा चुनने गयी थी। तभी उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। इसके बाद महिला ने मदद के लिए आवाज लगाई। आवाज सुनकर आसपास की महिलाएं आई और प्रसूता को थोड़ी दूर लेकर गयी। महिलाओं ने साड़ी से घेरकर सड़क किनारे महिला को सुरक्षित डिलीवरी करायी। डिलीवरी के बाद जच्चा-बच्चा को सदर अस्पताल भेजा गया।

श्री श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज से

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव में आज से तीन दिवसीय श्री श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। समारोह का आयोजन मंदिर निर्माण समिति के गणेश भगत व ग्राम वासियों द्वारा किया गया है। इस दौरान तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत पहले दिन प्रातः कलश यात्रा,पंचांग पूजन,अंधिवास व आरती दूसरे दिन वेदी पूजन,नगर भ्रमण,प्राण प्रतिष्ठा तथा तीसरे दिन हरिकीर्तन विसर्जन व भंडारे का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीव भगत, सुधीर भगत, जयराम गोप, महादेव उरांव सहित ग्रामीण लगे हुए है।

ट्रेन से गिरकर रांची के युवक की अलगड़ा जिद के पास हुई मौत

अनगड़ा : ट्रेन से गिरने से राहुल यादव (20 वर्ष) की मौत हो गई। घटना शनिवार की देर रात करीब 11 बजे की है। मृतक राहुल बजरंग तेल मिल के पास जयप्रकाश नगर, सुखदेवनगर थाना रांची का रहनेवाला था। शनिवार को वह अपने एक दोस्त शिवनंदन शर्मा के साथ सुक्त एक्सप्रेस ट्रेन से आसनसोल से लौट रहा था, वे जेनरल बोमी में सवार थे. ट्रेन में काफी भीड़ थी। गेट के पास ही राहुल खड़ा था, इसी दौरान जीदु पुल के उपर ट्रेन में झटका पड़ा तथा वह नीचे गिर गया। पुल के नीचे गिरने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। शिवनंदन शर्मा ने घटना की जानकारी रांची रेलवे स्टेशन पर दिया.रविवार को राहुल के मोबाइल के लोकेशन के आधार पर उसका शव जोन्हा रेलवे स्टेशन के समीप जीदु में गुंगानाला के समीप मिला। अनगड़ा थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है. मामले पर अनगड़ा थाना में युुदी केस दर्ज किया गया है।

लोहरदगा में कांग्रेस पार्टी का संकल्प सत्याग्रह

लोहरदगा : जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में नगर परिषद कार्यालय के पास स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष संकल्प सत्याग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें जिले से आए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द करवा दी गई है. इससे यह बात सत्य साबित हो रहा है कि आज देश का लोकतंत्र खतरे में है. बाबासाहेब अंबेडकर के द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकार खतरे में हैं. अभिव्यक्ति की आजादी को खत्म किया जा रहा है, जो देश के लिए दुर्भाग्य है. ऐसे में हम सभी को लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होकर के एक लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का संकल्प सत्याग्रह

खूंटी : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को समाहरणालय के समक्ष सत्याग्रह किया और धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि जब तक राहुल गांधी को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक सभी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। इस मौके पर तोरपा विधानसभा प्रभारी नमीता बा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक्सीलेंट इलेवन परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

चंद्रमोहन चौधरी, नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज/ द डिवाइन पब्लिक स्कूल धावां बिक्रमगंज परिसर में एक्सीलेंट इलेवन परीक्षा के सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटनकर्ता सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ज्वाला सिंह, सह निदेशक अखिलेश कुमार के बचपन के शिक्षक अखिलेश्वर झा, बतौर विशिष्ट अतिथि आईआईटीएन अभितेश्वर आनंद व रिबेल कोचिंग आरा के संचालक आलोक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। विदित हो कि एक्सीलेंट इलेवन द डिवाइन पब्लिक स्कूल की एक वैसी कल्याणकारी योजना है जिसका उद्देश्य वैसे छात्र-छात्राओं का चयन करना है जो अशार्भाग्य के कारण अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर

पाते हैं। वर्ष 2016 में इस योजना की शुरुआत हुई, तब से लेकर अब तक इस परीक्षा के माध्यम से 30 से ज्यादा बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एक्सीलेंट इलेवन परीक्षा में पांचवी में पढ़नेवाले विद्यार्थी फॉर्म भरते हैं, साथ ही अन्त्यर्थी द डीपीएस का छत्र नहीं होना चाहिए। परीक्षा के बाद कॉपियों की सूक्ष्मता पूर्वक जांच करने के बाद सर्वश्रेष्ठ ग्यारह विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। चर्यनित छात्रों को सम्मानित करने के साथ कक्षा छठी में नामांकन लिया जाता है तथा कक्षा दशवीं तक उनको निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। योजना की शुरुआत के साथ ही यह परीक्षा लोकप्रिय हो गई थी।आज के समय में अभिभावक वर्ष भर इस आयोजन की प्रतीक्षा करते हैं। रोहतास जिले



के अलावा, भोजपुर, बक्सर, जहानाबाद, औरंगाबाद, कैमूर, भभुआ इत्यादि जिलों से भी विद्यार्थी अब परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। एक्सीलेंट इलेवन में चर्यनित बच्चों में घनश्याम कुमार पिता परमानंद यादव गांव मानी को प्रथम संयम कुमार पिता-मुन्ना सिंह

ग्राम धनौती को द्वितीय तथा पीयूष कुमार पिता अशोक कुमार मेहता ग्राम करथ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्तिक कुमार पिता चंदन कुमार तेंदुनी को चौथा, अमृत राज पांडेय पिता मुन्ना पांडेय आरा रोड बिक्रमगंज को पांचवा, संदीप कुमार पिता कृष्णा साह को छठा,

नैसी गुप्ता पिता अभय रंजन गुप्ता को सातवां, कुमार संजीव राज पिता सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता ग्राम थुमियाँ को आठवां, अंश प्रताप पिता सत्येंद्र कुमार ग्राम तेंदुनी को नवां, अंश कुमार पिता स्व.राज कुमार चौधरी को दसवां तथा अमरेश कुमार पिता चतुर्गुण चौधरी ग्राम नोनहर को ग्यारहवां स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा 12 से 50 रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सात्वना पुरस्कार दिया गया। अपने संबोधन में उद्घाटनकर्ता ज्वाला सिंह ने कहा कि जिस प्रकार धड़कता दिल व्यक्ति के जिंदग रहने का सबूत है, उसी प्रकार अखिलेश कुमार जब तक इस प्रतिवोगिता का आयोजन करते रहेंगे तब तक उनका व्यक्तित्व जिंदा समझा जाएगा। बच्चों के

छःमहीने से लापता बीबी की तलाश में भटक रहा पति

नवप्रदेश प्रतिनिधि/करगहर:



करगहर प्रखंड के बकसड़ा पंचायत के तेन्दुनी गांव के रहने नरेन्द्र सिंह छः महीने से लापता अपने बीबी की तलाश में दर दर की ठोकर खाता फिर रहा है। रविवार को नरेन्द्र सिंह ने मौडिया के जरिए अपनी व्य्था सुनाई। कहा कि साल भर मेरी पत्नी की दिमागी हालत ठीक नहीं था दवा चल रहा था इसी बीच छःमाह पहले वह अपने बीबी बच्चों के साथ महुआधाम कुटुम्बा तीर्थ स्थल पर दर्शन के लिए चला गया जहाँ दर्शन के दौरान उनकी बीबी चालीस वर्षीय सुनिता देवी तीर्थ स्थल से गुम हो गई। काफी खोज बीन करने के बाद जब उनकी बीबी का पता नहीं चला तो उन्होंने कुटुम्बा थाना, नगर थाना कुटुम्बा, खेरा थाना,सहित औरंगाबाद एसपी आफिस में बीबी की गुम सुधी का रिपोर्ट फोटो के साथ दिये है। सहित औरंगाबाद जिले विभिन्न जगहों पर भी पोस्टर व अपने लोगों द्वारा इसकी खोजबीन करवा रहे है। तभी छः महीने बीतने के बाद भी पता नहीं चला। तो अब रोहतास जिले में भी खोज बीन कर रहे है साथ ही लापता होने की शिकायत देने छः महीने बीतने को है। लेकिन उनका कोई अता पता नहीं है। थक हारकर नरेन्द्र सिंह ने फिर से प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनके लापता बीबी को ढूँढने में मदद करें। वहीं बकसड़ा पंचायत के मुखिया गुलाबासो पांडेय ने भी अपने द्वारा खोजबीन कर रही है। मुखिया ने लोगों से अपील करते हुए लोगों से कही की चालीस वर्षी सुनिता देवी जहाँ दिखाई दे मेरे इस नम्बर 8294921337 व 7762996778फोन करें. जो सफेद रंग की है।

सप्ताहिक जनता दरबार में 4 मामले का किया गया निपटारा



नवप्रदेश प्रतिनिधि चरपोखरी/ भोजपुर जिला के चरपोखरी प्रखंड अंतर्गत चरपोखरी थाना के प्रांगण में अंचल अधिकारी चरपोखरी वीरेंद्र कुमार तथा थानाध्यक्ष चरपोखरी की उपस्थिति में सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया जिसमें सभी सात मामले का आवेदन अंचल अधिकारी चरपोखरी को मिली जबकि

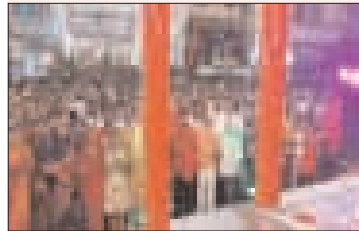
4 मामलों का निपटारा थाना परिसर में किया गया जिसमें सभी मामले रस्ता नाली तथा भूमि से संबंधित थे। वही पूछे जाने पर अंचल अधिकारी चरपोखरी ने बताया कि बाकी बचे तीन मामले को अगले सुनवाई पर वस्तुस्थिति को देखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा। वही चार मामले को अॉन द स्पॉट निपटार कर दिया गया है तथा वे चारों फरियादी अंचल अधिकारी के द्वारा किए गए कार्य से काफी संतुष्ट दिखाई दिए। अंचल अधिकारी तथा थानाध्यक्ष की यह कार्य की सराहना प्रखंड क्षेत्र में हो रही है।

गृह मंत्री अमित शाह के प्रोग्राम को सफल बनाने को लेकर

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

नवप्रदेश प्रतिनिधि- सूर्यपुरा/ प्रखंड अंतर्गत बलिहार पंचायत के अलौंगंज गाँव मे भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक रविंद्र सिंह की अध्यक्षता में की गई, एवं मंग संचालन युवा नेता विनय सिंह कर्मा ने किया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहारसरिफ के विधायक डॉ सुनील कुशवाहा ने सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 2 अप्रैल को सासाराम में प्रस्तावित केंद्रीय गुहमंत्री अमित शाह की कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आप सभी कार्यकर्ताओं से अपील किया जाता है कि अधिक से अधिक संख्या में वहाँ पहुँच कर उनके भाषण से लाभ उठावें, वहीं कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व महामंत्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि आप सभी से मेरा करबद्ध प्रार्थना है कि उक्त तिथि को केंद्रीय गुहमंत्री के कार्यक्रम में सासाराम चल कर माननीय गुहमंत्री के बातों से लाभ उठावें,मौके पर विख्यात शिक्षाविद अखिलेश सिंह, गंगासागर सिंह तथा पार्टी के अनेकों नेता व कार्यकर्ता शामिल थे आगतो का स्वागत सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र सिंह ने किया

रामनवमी के अवसर पर भव्य महाआरती का आयोजन



नवप्रदेश प्रतिनिधि/ नासरीगंज (रोहतास): रामनवमी व चैत्र नवमी के अवसर पर नगर के तालाब स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्रीरामनवमी सेवा समिति के बैनर तले शनिवार की संस्था भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। युवा कार्यकर्ताओं ने फल करते हुए मंदिर के आस-पास साफ-सफाई और साज-सज्जा कर मंदिर को भव्य झालर व लाइटों से तैयार किया। पूरे मंदिर को दीपो व भव्य लाइट से सजाया गया था। वही जगह -जगह छोटी-छोटी बच्चियों के द्वारा रंगों से भरी रंगोली भी बनाई गयी थी। रामनवमी सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत कुमार मुन्ना ने बताया की हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी भव्य महाआरती का सफल आयोजन रामनवमी के अवसर पर किया गया। जिसमे सैकड़ो श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर पूरे मंदिर पर 551 दीप प्रज्वलित किया गया। आरती गायन हनुमान मानस मंदिर के पुजारी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी 30 मार्च को श्रीरामनवमी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें प्रखण्ड के गांव-गांव से लोग शामिल होंगे।

चैती छठ, रामनवमी व रमजान को ले शांति समिति की बैठक हुई

नवप्रदेश प्रतिनिधि/नासरीगंज(रोहतास):

स्थानीय थाना परिसर में रविवार को रामनवमी, चैती छठ व रमजान को ले शांति समिति की बैठक बीडीओ मो॰जफर इमाम, सीओ अमित कुमार व थानाध्यक्ष सुधीर कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि सभी आपसी संयम व शांति के साथ तीनों त्योहारों को मनायें। सीओ ने कहा कि त्योहार हमें आपसी एकता का संदेश देता है। सभी लोग इसे हर्षोल्लास पूर्वक मनायें। थानाध्यक्ष ने कहा कि सभी प्रमुख स्थानों पर पुलिस की तैनाती शांति व्यवस्था को ले रहेगी। रामनवमी शोभा यात्रा में पुलिस का सभी लोग सहयोग करें। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। मौके पर प्रमुख योगेश कुमार, मुख्य पाषंद प्रतिनिधि श्यामुल हक, उप मुख्य पाषंद लुकेश्वर कुमार प्रिय, जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष डॉ॰अमरेंद्र कुमार, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय कुमार उर्फ लालबाबु, शैलेंद्र कुमार सिंह, सिकंदर सिंह, अजय प्रसाद, भाई रिजवान फिरदौस समेत बड़ी संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ताओं, समाजसेवी, नगर व प्रखण्ड के जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

टीबी की घटती दर के लिए राज्य के 5 जिले हुए पुरस्कृत

नवप्रदेश प्रतिनिधि/पटना। राज्य सरकार 2025 तक राज्य से टीबी उन्मूलन को लेकर प्रयासरत है. इसके लिए राज्य यक्ष्मा विभाग द्वारा नित नए कदम उठाये जा रहे हैं. विदित हो कि विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर 24 मार्च को जनजागरूकता के लिए पूरे राज्य में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं. टीबी उन्मूलन अभियान के तहत राज्य के 5 जिलों को सब नेशनल सर्टिफिकेशन पुरस्कार से नवाजा गया है. ये 5 जिले हैं मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सिवान, सारण एवं पुर्णिया. मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर को मिला गोल्ड मेडल। डॉ. बी.के. मिश्र राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (यक्ष्मा) ने बताया कि टीबी मुक्त राज्य के लिए किये जा रहे प्रयासों के तहत बेहतर कार्य करने वाले जिलों को सब नेशनल सर्टिफिकेशन पुरस्कार से नवाजा गया. इसके लिए टीबी उन्मूलन अभियान में जिन जिलों में 2015 के सापेक्ष में टीबी मरीजों की संख्या में चर्यनित किये गए थे जो हैं बेगुसराय, भागलपुर, बक्सर, दरभंगा, गया, गोपालगंज, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, पुर्णिया, समस्तीपुर, सारण एवं सिवान. डॉ. मिश्र ने बताया कि 2015 के सापेक्ष में 60 % कमी के साथ मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जिले को गोल्ड मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया. 40 % कमी के साथ सिवान को सिल्वर मेडल एवं 20 % कमी के साथ सारण एवं पुर्णिया जिले को ब्रौज मेडल से पुरस्कृत किया गया. उत्तर प्रदेश के काशी नगर में आयोजित वन वर्ल्ड टीबी समिट में पुरस्कार समारोह में जिलों को पुरस्कृत किया गया. समारोह में प्रधानमंत्री रेंद्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी राज्य के कार्यक्रम पदाधिकारी, यक्ष्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

गृह मंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर बैठकों का दौर शुरू



नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम/सासाराम।

भारतीय जनता पार्टी रोहतास के कार्यालय में रविवार को लगातार बैठकों का दौर चला। विदित हो की प्रदेश के सह प्रभारी एवं बस्ती, उ.प्रदेश के सांसद हरीश द्विवेदी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखु भाई दलसानिया , प्रदेश महामंत्री संजीव चौरसिया, प्रदेश उपाध्यक्ष, विधान पाषंद सह शाहाबाद प्रभारी प्रमोद चंद्रवंशी, सांसद छेदी पासवान काराकाट व सासाराम लोकसभा का संयुक्त बैठक किए, जिसमें कैमूर जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल, औरंगाबाद जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा के साथ दोनों लोकसभा क्षेत्र के सभी पूर्व विधायक, विधानपाषंद, प्रदेश मंत्री पिंकी कुशवाहा, प्रदेश मंत्री अजय यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्र व पूर्व मंत्री बृजकिशोर विंद, कार्यक्रम प्रभारी रत्नेश कुशवाहा भी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रोहतास भाजपा सुशील चंद्रवंशी ने की। **बैठक में मुख्यतः भारत सरकार के गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के आगमन और उनके स्वागत पर केन्द्रित रही।**

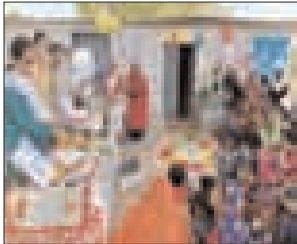
नवगठित तैयारी समिति के पदाधिकारियों, विधान पाषंद सभी विधानसभा के पूर्व विधायक, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, विधानसभा प्रभारी एवं विधानसभा संयोजकों से गुहमंत्री अमितशाह के आगमन को लेकर विभिन्न प्रकार की तैयारियों का विवरण लेकर दिशा निर्देश मंचासीन प्रमुख लोगों द्वारा दिया गया जिसमें सभी विधान सभाओं के सभी बूथ व पंचायत क्षेत्र में भाजपा समर्थकों के बीच इस कार्यक्रम की जानकारी देकर सभा में आने और संपूर्ण संकल्पित राष्ट्र सुधार, आतंकवाद व अपराध रहित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध गुहमंत्री अमित शाह के संदेश को सुनने के लिए क्षेत्र के लोगों को उत्प्रेरित करने और अधिकतम

संख्या में नागरिकों को बुलाने की बात की गयी। विदित हो की अखंड भारत के सम्राट अशोक की जयंती स्थानीय रेलवे मैदान के स्टेडियम में मनायी जा रही है, जिसमें गुहमंत्री का आगमन है साथ ही भारतवर्ष में सम्राट अशोक के प्रेषित आठ सदियों में बिहार के सासाराम में चंदन पहाड़ी पर बिहार का एकमात्र शिलालेख के अतिक्रमणमुक्त होने के बाद उसके स्थायी संरक्षण का विषय भी इसके केन्द्र में है। इसी बीच रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात को भी सभा में उपस्थित सभी ने सुना। बैठक में दोनों लोकसभा के बूथ कमिटी, पन्नाप्रमुख आदि के गठन पर भी संबंधित पदाधिकारियों के साथ विमर्श हुआ। बैठक का आरंभ पार्टी की परंपरा में शामिल पार्टी के पितृपुरुष डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं.दीनदयाल उपाध्याय के छवि पर पुष्पांजलि के उपरांत हुई। बैठक में जिलामहामंत्री शशिभूषण प्रसाद, विजय सिंह, अरुण पांडेय, विधानपाषंद श्रीमती निवेदिता सिंह, संतोष सिंह,पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेंद्रसिंह, पूर्वविधायक जवाहर प्रसाद, राजेश्वर राज, ई.सत्यनारायण यादव, अशोक सिंह, निरंजन राम, शिवेश राम, रिकी पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉसुनील कुशवाहा, बलिराम मिश्र, राकेश सिन्हा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह, राजेंद्र सिंह भोला, जिलाउपाध्यक्ष संतोष पटेल, डॉ.शरत चंद संतोष, विवेक सिंह, होरेन्द्र चंद्रवंशी, अशोक साह, रेखानागमणि, परमहंस सिंह, जिलाप्रवक्ता मंगलानंद पाठक, संजय तिवारी, सत्यनारायण पासवान, अमृता सिंह, गुलबासो पांडेय, प्रमोद कुशवाहा, पंकज सिंह, रामायण पासवान, सुधीर चंद्रवंशी,आरती गुप्ता,गुणेश्वर गुप्ता, बबल काश्यप,मुन्ना शर्मा, सुमित सिंह बिड़ु, संजय सिन्हा आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

सीडीपीओ ने पोषण पखवाड़ा के तहत बैठक कर लोगों को किया जागरूक 20 मार्च से 03 अप्रैल तक मनाया जा रहा पोषण पखवाड़ा

नवप्रदेश प्रतिनिधि/बिक्रमगंज।

स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पोषण पखवाड़ा के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से पोषक क्षेत्र के अलावे अन्य लोगों को भी पोषण के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रखंड क्षेत्र के सलेमपुर आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 122 पर पोषण पखवाड़ा के छठे दिन स्थानीय ग्रामीणों के साथ एक बैठक कर सीडीपीओ कुमारी कमला सिन्हा ने स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के प्रति जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया। बताया कि



इस माह में 20 मार्च से 3 अप्रैल तक पूरे देश में राष्ट्रीय मिशन के तहत पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पोषण जन जागरूकता अभियान समय-समय पर पोषण सेमिनार, पोषण मेला, पोषण जागरूकता रैली कर लोगों के बीच जागरूकता लाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उपस्थित विभिन्न सेविकाओं के द्वारा

कुपोषण को दूर भगाने के लिए विभिन्न प्रकार के पोषण से संबंधित रेसिपी तैयार कर भोजन के रूप में लेने के संबंध में विस्तृत रूप से बताया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कुपोषित बच्चों को सुगोषित करने के लिए अपनी सहभागिता, पोषण पुनर्वास केंद्र आदि की जानकारी दी गई। इस दौरान बैठक में उपस्थित पोषण क्षेत्र की गार्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच एवं छोटे-छोटे बच्चों की वृद्धि दर की भी जांच की गई। बच्चों के अभिभावकों को पूरी तरह से पोषण युक्त संतुलित आहार देने के बारे में बताया गया। इसके अलावा बच्चों को हाथ की सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए भी सुझाव

दिया गया। सीडीपीओ ने बताया कि कुपोषण को भगाने के लिए बच्चों के भोजन में मोटे अनाज जैसे मडुआ, जौ, बाजड़ा का प्रयोग करना चाहिए। बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के भोजन में मोटे अनाज का प्रयोग करने से बच्चों में कुपोषण की समस्या नहीं आएगी, और बच्चों का सही तरीके से शारीरिक विकास भी होगा। गर्भवती को महिलाओं की समय - समय पर जांच और आयरन की गोली लेने के बारे में भी बताया गया। मौके पर महिला पर्ववैधिका कुसुम कुमारी, प्रखंड समन्वयक रिकी कुमारी, सेविका गीता देवी, बैजंती देवी के अलावे अन्य सेविका एवं सेविकाएं मौजूद थीं।

बाबा भीमराव अंबेडकर के सपनों का साकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं : संतोष कुमार निराला

नीतीश कुमार दलित, महादलित शोषित अति पिछड़ा के लिए कार्य कर रहे हैं: ललन पासवान

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी/जनता दल(यूनाइटेड) रोहतास के द्वारा कुशवाहा सभा भवन डेहरी में अनुमंडल स्तरीय भीम चौपाल एवं संवाद कार्यक्रम जदयू के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन किया मुख्य अतिथि, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, पूर्व विधायक ललन पासवान, पूर्व विधायक अरुण कुमार मांझी, पूर्व विधायक प्रभु नाथ राम, पूर्व विधायक रेणु देवी, इंंदर चंद्रवंशी राजू गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष मुन्ना कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित आगत अतिथियों का स्वागत जदयू के वरिष्ठ नेता विक्तिसक डॉक्टर

निर्मल सिंह कुशवाहा अंगवस्त्र फूलों का माला देकर स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में अजय कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के द्वारा निर्देशित अनुमंडल स्तर पर भीम संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि संतोष कुमार निराला ने कहा कि 2005 से हम लोगों के सर्वमान्य नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से सत्ता संभाला है बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी ने जो सपना देखा था उसे पूरा करने का काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार सरकार ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 2 हजार 215 करोड़ का ऐतिहासिक बजट बनाया है। दलित महादलित अति पिछड़ों के बच्चे विधायक से जो बाहर रहते



थे उन्हें टोला सेवक के माध्यम से विद्यालय पहुंचाने का काम किया है भीम चौपाल का मुख्य उद्देश्य है गरीबों का उत्थान करना है। पूर्व विधायक ललन पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्राथमिकता दलित शोषित एवं उपेक्षित

समाज का कल्याण करना है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के घर-घर जाकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के संदेशों को स्टीकर, पत्तों के माध्यम से कार्यकर्ता घर घर पहुंचाने का कार्य अंबेडकर जी के संदेशों को स्टीकर, पत्तों के

आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। भीम चौपाल को पूर्व विधायक प्रभुनाथ राम, रेणु देवी, अरुण कुमार मांझी, राज किशोर प्रसाद, दीपक राज रामप्रवेश

राम ,मनोज कुमार , बबन सिंह कुशवाहा, राजू गुप्ता, डॉ निर्मल कुशवाहा, संतोष चंद्रवंशी , अरुण शर्मा पंकज पासवान, शोभा चंद्रवंशी, सहित कई लोगों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर जदयू नेत्री शकुंतला सिंह मोदी नारायण सिंह, मुमताज अंसारी विध्याचल पासवान गुड्डू पटेल लाल जी राम, अरुण रावत विध्यासागर राम, विनोद कुमार मेहता बसंती देवी मथुरा सिंह हृदयानंद शर्मा पवन सिंह रमुना राम बबन पाल, अकोढ़ी गोला प्रखंड अध्यक्ष बबलू कुशवाहा रामनाथ कुशवाहा दीपक चौबे अरुण ठाकुर, सहित काफी संख्या में जदयू के कार्यकर्ता तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

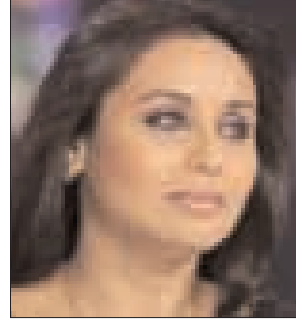
संपादकीय

फिल्मों का विस्तार

भारत में सिनेमा की चर्चाएं अमूमन मुंबई के हिंदी सिनेमा तक केन्द्रित रही हैं। पिछले कुछ समय से उसका विस्तार दक्षिण के सिनेमा की तरफ हुआ है। हालांकि अभी भी बहुत सी भाषाओं का भारतीय सिनेमा चर्चा से दूर है। ऐसे में हमें यह भी देखने की जरूरत है कि हम भारत के पड़ोसी देशों के सिनेमा को कितना और कैसे देखते रहे हैं। लंबे काल में विकसित सांस्कृतिक समानताएं, साझा इतिहास के साथ-साथ कुछ में तो भाषाओं की साझेदारी है, जैसे-पाकिस्तानी सिनेमा के साथ उर्दू और पंजाबी तो बांग्लादेश के साथ बांग्ला। कभी-कभार जब पड़ोसी देश की फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाम हासिल करती है, कोई बड़ा पुरस्कार पाती है तो भारत में उसका नाम सुनने को मिलता है, वरना उनके सिनेमा को लेकर चर्चा नहीं होती। इस साल पाओ चोर्यानिंग दोरजी निर्देशित भूटान की एक सुंदर फिल्म लुनाना- ए याक इन द क्लासरूम ऑस्कर में अंतिम 5 में चुनी गई है। इतफाक है कि दोरजी को पढ़ाई-लिखाई भारत में हुई है, लेकिन फिल्म की भारत में वाजिब चर्चा नहीं हुई। पाकिस्तानी फिल्मों को लेकर भी यही हाल है। पाकिस्तान की कोई फिल्म 11 साल बाद भारत के सिनेमा हॉल में आ रही है। इसका नाम है जॉयलैंड। यह पाकिस्तान की तरफ से इस साल ऑस्कर में भी गयी है। दिलचस्प बात यह भी यह फिल्म पाकिस्तान में भी कुछ तबकों की घोर आलोचना का विषय रही है, यहां तक कि कुछ समय के लिए इस पर बैन भी लगाया गया था। पिछली रिलीज्ड फिल्म शोएब मंसूर की बोल थी। सोचिए कि हम में से कितने लोग जानते हैं कि सरमद सब्बाई, फरजाद नबी, सरमद सुल्तान खसूट जैसे संजीदा लोग पाकिस्तानी सिनेमा में बड़े बदलाव ला रहे हैं। कुछ साल पहले माहे मीर नाम की पाकिस्तानी फिल्म की भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई थी। यह फिल्म भी पाकिस्तान से ऑस्कर अवॉर्ड के लिए ऑफिशल नॉमिनेशन थी। भारत में कुछ फिल्म फेस्टिवल में तो दिखाई गई, साराही गई पर आम जनता के लिए थिएटर रिलीज नसीब नहीं हुआ। राजनीतिक-कूटनीतिक संबंधों ने सांस्कृतिक आवाजाहियों में भी खलल डाला है। उसके लिए सरकारों के पास अपने वाजिब तर्क भी होंगे, पर एक मुकम्मल तर्क यह भी है कि साझे इतिहास और सांस्कृतिक समानताओं वाले उपमहाद्वीप के देशों के बीच अमन और मुहब्बती रिश्ते सांस्कृतिक आवाजाहियों से बेहतर बनते हैं। कलाएं आए-जाएं, कलाओं से जुड़े लोग आए-जाएं, जोड़ने वाली बातों को पुखा किया जाए, तभी तो आनेवाला कल आज से बेहतर बन सकता है। दक्षिण के सिनेमा में जिस तरह पिछले कुछ समय में भारतीय सिनेमा, पैरा इंडियन सिनेमा को पुनर्परिभाषित किया है, अखिल महाद्वीपीय सिनेमा के भी आसार मुझे दिखाई देते हैं। ऐसे खयाल या कहानियां जिसे उपमहाद्वीप अपने को रिलेट करते हुए महसूस करे, जिसे केवल विदेश के या पड़ोस के अच्छे सिनेमा से आगे अपने ही सिनेमा के रूप में ऑर्गेनिकली गहरन करे। माना जाता है कि किसी भौगोलिक सांस्कृतिक इलाके के दुख और उम्मीदें अगर समान हों तो सपने भी एक से होंगे।

सामयिकी

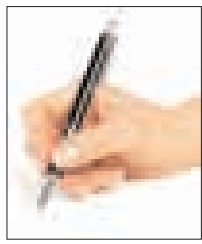
अलविदा दादा



रानी मुखर्जी

पूरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए दादा (प्रदीप सरकार) का नाम ही काफी था, उनका जाना इंडस्ट्री के साथ-साथ मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है, ऐसी क्षति जिसकी पूर्ति करना कठिन है। दादा के निधन की खबर से मैं बहुत सदमे में हूं। अभी हाल ही में तो उनसे मेरी लंबी बातचीत हुई थी, मैं स्वर्ण मंदिर अमृतसर दर्शन के लिए गई थी, उसी दौरान दादा का फोन आया। उन्होंने मुझे अपनी फिल्म के बारे में बताते हुए फेसटाइम कॉल करने के लिए भी कहा, लेकिन वहां उस दिन नेटवर्क अच्छा नहीं था, इसलिए मैं उसके साथ वीडियो कॉल नहीं कर सकी, काश! कर पाती। हम इसी सप्ताह मिलने की योजना भी बना रहे थे, हालांकि जब मैं वापस आई और ऐसी चौंकाने वाली खबर मिली तो जैसे यकीन ही नहीं हो रहा है। दादा अभी तो कुछ दिनों पहले शूटिंग भी कर रहे थे, पता नहीं चंद दिनों में यह सब कैसे हो गया? हाल ही में उनकी पत्नी (पांचली बौदी) ने मुझे बताया कि वह स्वस्थ हैं, अक्सर काम में व्यस्त रहते हैं, पर आज सुबह जब चार बजे बौदी का कॉल आया तो ऐसी अप्रत्याशित खबर मिलेली, इस बारे में सोचा भी नहीं था। मुझे यकीन है कि हर कोई जो दादा को जानता है, वह उनकी कमी को गहराई से महसूस करेगा, जिस तरह से मैं महसूस कर रही हूं। मेरा उनके बहुत अच्छा संबंध था, हमने साथ मिलकर कितना काम किया, इसलिए यह सचमुच मेरे लिए परिवार के किसी सदस्य को खोने जैसा है। दादा का पूरा परिवार, वह सभी लोग जो दादा के प्रोडक्शन हाउस में काम करते थे और वर्षों से उनसे जुड़े हुए थे, सभी विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि यह खबर सही है। मैं वास्तव में इससे और भी दुखी हूं, क्योंकि मैं जल्द ही उनसे मिलने वाली थी। आप कभी महसूस नहीं करते कि जीवन कितना अप्रत्याशित है, आप किसी व्यक्ति से बात करते हैं और अगली बार क्या फिर उससे बात हो पाएगी, यह तक निश्चित नहीं है। मेरी फिल्म को लेकर हर तरफ से मिल रही प्रतिक्रियाओं के बारे में बताने के लिए मुझे दादा ने बुलाया था, वह मेरे लिए कितने खुश और उत्साहित थे पर किसे पता था कि हम अब कभी मिल नहीं पाएंगे। दादा आप जहां भी हो, खुश रहो, आपकी यादें-मार्गदर्शन सदैव मेरे साथ रहेंगे।

मिस यू दादा।



आनंद प्रधान

बैंकिंग-वित्तीय संकट से रीयल एस्टेट से लेकर टेक और स्टार्टअप सेक्टर के गंभीर रूप प्रभावित होने और इन क्षेत्रों में कंपनियों के संकट में फंसने और दिवालिया होने की स्थिति में बैंकों का संकट और गहरा सकता है। भारत जैसे देशों के लिए भी बैंकिंग-वित्तीय संकट का यह बवंडर कई चिंताएं लेकर आया है।

यूरोप तक पहुंचा बैंकिंग संकट, क्या होगा

अमेरिका से शुरू हुए बैंकिंग-वित्तीय व्यवस्था के संकट का वायरस तेजी से फैलने और महामारी की शकल लेने लगा है। आश्चर्य नहीं कि सिलिकन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के ढूबने के साथ शुरू हुए इस संकट का संक्रमण दस दिनों से भी कम समय में यूरोप पहुंच गया है। नतीजा, पिछले कुछ समय से कई स्कैंडलों और निवेश के गलत फैसलों के कारण मुश्किलों में फंसा क्रेडिट सुइस जैसा बड़ा बैंक भी बोते रविवार को इतिहास बन गया, जब स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक के दबाव में देश के सबसे बड़े बैंक- यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड (वडर) ने आनन-फानन उसे खरीद लिया।

राष्ट्रीय शर्म

क्रेडिट सुइस का ढूबना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह सिलिकन वैली बैंक या सिग्नेचर बैंक की तरह अपेक्षाकृत छोटा और क्षेत्रीय बैंक नहीं था बल्कि अपने बैंकों के लिए मशहूर स्विट्जरलैंड का दूसरा सबसे बड़ा और 167 साल पुराना बैंक था। क्रेडिट सुइस के ढूबने को स्विट्जरलैंड में राष्ट्रीय शर्म की तरह देखा जा रहा है। उसके संकट में फंसते ही यूरोप के साथ दुनिया भर के वित्तीय और शेयर बाजारों में हड़कंप मच गया था। क्रेडिट सुइस स्विट्जरलैंड और पूरे यूरोप के लिए उस तरह का बैंक था, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे इतने बड़े हैं कि उनके ढूबने का जोखिम नहीं लिया जा सकता है। इसी वजह से स्विट्जरलैंड की सरकार और स्विस केंद्रीय बैंक ने रातों-रात वडर को क्रेडिट सुइस को 3.2 अरब डॉलर में खरीदने के लिए तैयार किया। इस सौदे में वडर के किसी भी नुकसान की भरपाई के लिए स्विस सरकार ने 9 अरब डॉलर देने का एलान किया है। वहीं, स्विस केंद्रीय बैंक ने वडर को 100 अरब डॉलर से ज्यादा की नकदी (लिविङडिटी) मुहैया कराई है, ताकि ग्राहकों की ओर से इसकी मांग को पूरा किया जा सके और लोगों का बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा बना रहे।

अमीर देशों का वादा

यही नहीं, दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं- अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के केंद्रीय बैंकों के साथ स्विस केंद्रीय बैंक ने एक संयुक्त



बयान जारी करके कहा है कि जरूरी पड़ने पर एक बैंक से दूसरे बैंक तक डॉलर का प्रवाह बनाए रखा जाएगा। यह एक मायने में संकट के समय अंतिम उपाय के बैंक की ओर से दी गई गारंटी की तरह है। इससे वैश्विक वित्तीय बाजारों में घबराहट और उथल-पुथल थोड़ी कम हुई है, लेकिन इससे फिर यह साबित हुआ है कि सब कुछ बाजार के भरोसे छोड़ने के दावों के बावजूद संकट में फंसने पर निजी क्षेत्र (बैंकों सहित) को उबारने के लिए सरकारों और सार्वजनिक क्षेत्र को ही आगे आना पड़ता है। निजी बैंकों को बचाने के लिए जिस तरह से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की सरकारों और उनके केंद्रीय बैंकों को सामने आकर मोर्चा संभालना पड़ा है, वह सामान्य बात नहीं है। दरअसल, बैंकिंग-वित्तीय व्यवस्था का यह संकट गहरा और व्यापक है और इसके 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट की तरह संक्रामक होने की आशंका से खुद सरकारें और केंद्रीय बैंक डरे हुए हैं। इस डर की कई वजहें हैं। अमेरिका में वित्त मंत्रालय (ट्रेजरी) और केंद्रीय बैंक- फेडरल रिजर्व की ओर से बैंकों के खातेदारों को उनकी पूरी जमा-राशि की गारंटी देने के एलान के बावजूद फर्स्ट रिपब्लिक बैंक समेत कई और क्षेत्रीय बैंकों की हालत

पतली बनी हुई है।

इसी तरह क्रेडिट सुइस के बेलआउट के बावजूद यूरोप में कुछ और बैंक डांवाडोल दिख रहे हैं। यही नहीं, क्रेडिट सुइस के बेलआउट की प्रक्रिया में एंडिशनल टियर-1 के बॉन्डधारकों के 17 अरब डॉलर ढूब गए हैं, जिससे बॉन्ड बाजार में खलबली मची हुई है।

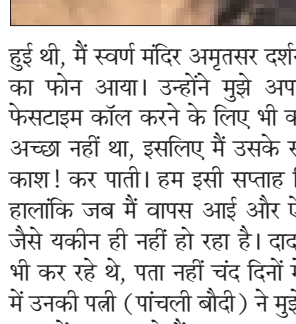
ब्याज दरों का असर

ऐसे कई बुनियादी कारण अब भी बने हुए हैं, जो वैश्विक वित्तीय व्यवस्था और कमजोर बैंकों को पटरी से उतार सकते हैं। दरअसल, अमेरिकी और यूरोपीय बेलआउट ने बैंकों के संकट के बुनियादी कारणों का समाधान नहीं किया है बल्कि उसे सिर्फ कुछ महनों के लिए दालने की कोशिश की है। इसी तरह ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी के बावजूद अधिकांश देशों में महंगाई की ऊंची दर बनी हुई है। याद रहे कि बैंकों के मौजूदा संकट की एक वजह केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरों में तेजी से की गई बढ़ोतरी भी है, जिसके कारण उनकी जमा-देनदारी और परिसंपत्तियों के इस डर की कई वजहें हैं। ऐसे में केंद्रीय बैंकों के लिए यह फैसला करना आसान नहीं है कि महंगाई से निपटने के लिए व्याज दरें बढ़ाएं या बैंकिंग व्यवस्था को बचाने के लिए उसे रोक दें क्योंकि खतरे दोनों ओर हैं। यूं तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ताजा फैसले

में ब्याज दरों में पहले से अनुमानित आधा फीसदी के बजाय चौथाई (0.25) फीसदी बढ़ोतरी का एलान किया है, जो बताता है कि वह सावधानी बरत रहा है, फिर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

बैंकिंग-वित्तीय संकट से रीयल एस्टेट से लेकर टेक और स्टार्टअप सेक्टर के गंभीर रूप प्रभावित होने और इन क्षेत्रों में कंपनियों के संकट में फंसने और दिवालिया होने की स्थिति में बैंकों का संकट और गहरा सकता है। भारत जैसे देशों के लिए भी बैंकिंग-वित्तीय संकट का यह बवंडर कई चिंताएं लेकर आया है। एक ओर जहां ज्यादातर बैंकों के लिए पूंजी जुटाना महंगा हो रहा है, वहीं कुछ कमजोर निजी और सरकारी बैंकों के अलावा गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों की सेहत भी दुरुस्त नहीं है। अर्थव्यवस्था भी धीमी पड़ रही है क्योंकि अपेक्षा के विपरीत निजी-कॉर्पोरेट निवेश में सुस्ती बनी हुई है। घरेलू उपभोग, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में ठंडा पड़ा हुआ है और निर्यात में भी गिरावट आई है। ऐसे में वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को न सिर्फ सतर्क रहना होगा बल्कि भारतीय बैंकिंग और वित्तीय व्यवस्था को संक्रमण से बचाने के लिए पहले से ही ठोस उपाय करने होंगे और दूसरी ओर, अर्थव्यवस्था को भी संभालने की पहल करनी होगी।

राहुल के बहाने विपक्षी एकता की कोशिश



अतुल सिन्हा

यह उचित मौका है और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उनकी विश्वसनीयता और स्वीकार्यता जनता के बीच फिर से स्थापित की है। मोदी सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाइयों ने भी उनके प्रति तमाम विपक्षी पार्टियों को नरम और सकारात्मक बना दिया है

राहुल गांधी पर की गई कार्रवाइयों और उसके बाद उनके तेवरों ने एक बार फिर विपक्षी पार्टियों की एकता की उम्मीद जगाई है। खासकर तब जब सभी विपक्षी पार्टियों ने राहुल पर की गई कार्रवाई को खलत ठहराया है और मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह यह कहा कि मोदी सरकार ने विपक्ष को इस बहाने एक मजबूत और कारगर हथियार दे दिया है, उससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या 2024 में कांग्रेस तमाम क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर मोदी के खिलाफ एक बड़े मोर्चे का हिस्सा बनेगी? सीपीआई के महासचिव डी राजा मानते हैं कि विपक्षी एकता की कोशिशें तो अपने-अपने तरीके से चल ही रही हैं। कई राज्यों में और खासकर तमिलनाडु में कांग्रेस भाजपा विरोधी ताकतों के साथ है ही। ये हो सकता है कि केरल या पश्चिम बंगाल में थोड़ी मुश्किल आए, लेकिन जहां तक मोदी सरकार को हटाने के लिए एक व्यापक मोर्चे का सवाल है, हम चाहते हैं कि कांग्रेस को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए और एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते एकता की कारगर पहल करनी चाहिए। उनका कहना है कि बेशक कांग्रेस विरोध की वजह से बहुत सारी विपक्षी पार्टियां बर्नी और क्षेत्रीय दलों की भी अपने-अपने कारणों से उदय हुआ, लेकिन जो मौजूदा स्थिति है उसमें पहली प्राथमिकता मोदी सरकार को



हटाना है और इसके लिए कांग्रेस को सबके साथ मिलकर एक मोर्चा बनाने की मजबूरत पहल करनी चाहिए। प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष और जाने-माने लेखक विभूति नारायण राय का भी कहना है कि इस वक्त कांग्रेस को सभी विपक्षी और क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर चलने की जरूरत है। यह उचित मौका है और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उनकी विश्वसनीयता और स्वीकार्यता जनता के बीच फिर से स्थापित की है। मोदी सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाइयों ने भी उनके प्रति तमाम विपक्षी

पार्टियों को नरम और सकारात्मक बना दिया है, ऐसे में ये तो तय है कि कांग्रेस को लीड लेने की जरूरत है। वामपंथी पार्टियों का रुख वैसे भी भाजपा की बढ़ती ताकत को देखते हुए पिछले करीब एक दशक से कांग्रेस के प्रति खासा नरम रहा है। मोदी राज के इन नौ सालों में कांग्रेस को आगे बढ़ाने में ये पार्टियां भी अपने-अपने तरीके से लगी हुई हैं। खासकर तब जब विपक्ष के पास कोई भी ऐसा मजबूत चेहरा नहीं है, जो मोदी को सीधे तौर पर टक्कर दे सके। ऐसे में राहुल गांधी जिस तरह से एक जुझारू नेता के तौर पर

उभरे हैं और जमीनी स्तर पर लगातार मेहनत करते दिख रहे हैं, इससे अब विपक्षी पार्टियों की उम्मीद और बढ़ गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी राहुल को अध्यक्ष ठहराये जाने और केन्द्र की ओर से तमाम संस्थाओं का सियासी इस्तेमाल करने को लेकर राहुल के समर्थन में हैं। वह कहते हैं कि कांग्रेस को समाजवादी पार्टी के साथ-साथ सभी विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। 2024 में मोदी राज का खाल्ता भी तभी हो सकता है, जब आपसी अहंकार और द्वेष छोड़कर सब साथ आएँ, अपनी ताकत और हैसियत को देखते हुए एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत इकट्ठे हों। ऐसा पहले भी हुआ है और तमाम बड़ी लड़ाइयां संसद से निकल कर सड़क पर लड़ी गई हैं, तभी बदलाव आया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रवक्ता अजय कुमार मानते हैं कि यह कानूनी मामला है और आगे के कानूनी तौर पर ही लड़ी जा सकती है। ऊपरी अदालत जो फैसला सुनाएगी, देखा जाएगा, फिलहाल तो जो हो रहा है कानूनी तौर पर सही ही है। सियासी तौर पर देखें तो विपक्षी एकता की कोशिशें हमेशा होती हैं, लेकिन निजी हितों के टकराव और आपसी अहंकार के चलते ये होता तो दिखता नहीं। अब इस मुद्दे पर भी इसे लेकर शोरशराबा हो रहा है लेकिन फिलहाल इसकी संभावना लगती नहीं।

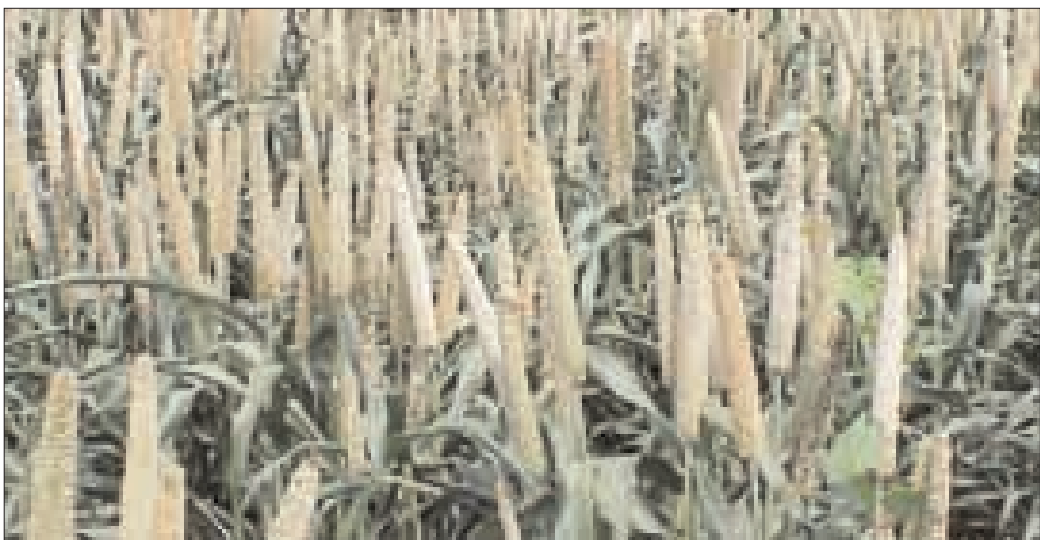
मोटा अनाज : भविष्य की मांग पूरी करने की बनानी होगी रणनीति



डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मोटा अनाज खासतौर से बाजरा खरीफ की प्रमुख फसल है। अब आसानी से समझा जा सकता है कि खरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है तो उस समय तक सर्दी का मौसम आरंभ हो जाता है। सर्दी में बाजरा कितना स्वास्थ्यवर्द्धक होता है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है

बार-बार अकाल के चलते खाद्यान्न संकट के विकल्प के रूप में हरित क्रांति का दौर आरंभ हुआ और ऐसे में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना पहली प्राथमिकता बनी। यह समय की मांग भी थी तो आवश्यकता भी। इस तरह से गेहूं को प्रमुख विकल्प माना गया। इसके बाद एक ओर गेहूं के आयात, गेहूं के उत्पादन बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने के नाम पर रासायनिक उर्वरकों का दौर शुरू हुआ। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से दो-चार होने लगे हैं, ऐसे में मोटा अनाज बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है। पर जिस तरह से मोटे अनाज को प्रमोट करने का अभियान चलाया गया है तो देश-विदेश में मोटे अनाज का गुणगान होने लगा है। मोटापा, डायबिटीज, विटामिन की डेफिसिएंसी, बढ़ती हार्ट डिजिज, एनिमिया, डाइजिनेशन प्रॉब्लम, कैल्शियम की कमी या यों कहें कि अच्छा खाने के बाद भी खोखले होते शरीर के कारण केमिकल्स पर आधारित दवाओं से अलग हटकर सफर लंबा और कठिनाइयों से भरा है। हमें अभी से भविष्य की मांग पूरी करने की रणनीति बनानी होगी। दरअसल साठ के दशक तक हमारे यहां खासतौर से गांयों का मुख्य भोजन मोटा अनाज ही रहा है। 1960 के दशक में



भागीदारी 41 प्रतिशत है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख राज्य हैं। आज मोटे अनाज के निर्यात में भी भारत प्रमुख देश है। हमारे देश से गए साल 2.69 करोड़ डॉलर का मोटा अनाज अमेरिका को निर्यात किया गया है। मोटे रूप से 13 प्रकार के अनाज को मोटे अनाज के रूप में माना जाता है। इनमें से प्रमुख रूप से 8 अनाज बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्वार, कंगनी, चेना और कान्दी को माना जाता है। 2020 में देश में

1.2 करोड़ मैट्रिक टन उत्पादन रहा है। मोटे अनाज को प्रमोट करने के विश्वव्यापी प्रयास आरंभ हो गए हैं। युवा एंटरप्रेन्योर स्टार्टअप के माध्यम से आगे आ रहे हैं। लोगों को मिलेट रसिपी भाने भी लगी है। लोग इनके महत्व को समझने लगे हैं। एक समय था जब घर पर मेहमान आने पर ही गेहूं की चपाती बनती थी। मोटा अनाज धीरे-धीरे पदों के पीछे चला गया और मोटे अनाज का उत्पादन और उपयोग दोनों ही प्रभावित हुए। यह सब तो

तब रहा जब कि बाजरा आदि मोटे अनाज के खेती करने पर कम पानी और कम लागत आती है तो दूसरी ओर मोटा अनाज प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से भरपूर रहे हैं और इनकी उपयोगिता को आज वैज्ञानिक सिद्ध कर रहे हैं। दरअसल हम जिस तरह से विकास के नाम पर प्रकृति से दूर होते गए वैसे वैसे ही प्राकृतिक तत्वों से भरपूर चीजें हमारी प्राथमिकता से दूर होती गईं। अन्यथा प्रकृति स्वयं तय करती रही है। और मौसम के अनुसार फसलों के पैदावार तय रही है।

मौसम के अनुसार खेती होने से फसलों के तासीरी भी पैदावार पक कर बाजार में आने के बाद उसके उपयोग से तय होती रही है। मोटा अनाज खासतौर से बाजरा खरीफ की प्रमुख फसल है। अब आसानी से समझा जा सकता है कि खरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है तो उस समय तक सर्दी का मौसम आरंभ हो जाता है। सर्दी में बाजरा कितना स्वास्थ्यवर्द्धक होता है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है तो गरमी में बाजरे की राबड़ी की अपनी पहचान से है। समय का बदलाव देखिए कि गाँव-गरीब का भोजन आज पंच सितारा होटलों के प्रमुख व्यंजन बन चुका है। शादियों में बाजरे की पिचचड़ी या छछ राबड़ी प्रमुखता से परोसी जाने लगी है तो इसका मतलब भी समझना होगा। अब कृषि वैज्ञानिकों के सामने नई चुनौती है और वह यह है कि मोटे अनाज की उन्नत व गुणवत्तापूर्ण किस्म विकसित करनी होगी, शोध और अनुसंधान को बढ़ाना होगा और किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करनी होगी। मोटे अनाज को जब हम एक बार फिर से भविष्य का अनाज देख रहे हैं तो फिर हमें देश दुनिया में मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने के समन्वित प्रयास करने होंगे। भविष्य की मांग को समझना होगा। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

से दाएँ

39. पराजय-2

26. ईश्वर-4

41. श्रुका हुआ -2

27. बाग, गुलिसतान-3

42. कर्म, भाग्य-3

28. क्रिकेट में बनते हैं-2

43. भार-3

30. दुलारा, पुत्र-2

45. भूल, गलती (उर्दू-4)

31. भरोसा, विश्वास-3

46. भाग्य, नसीब -2

32. क्रामात-4

उपर से नीचे

33. शोविंग करना-4

2. अधिकार-2

34. साधने वाला-4

3. मां का दुलार-3

35. आसान, सीधा-3

4. ताली की आवाज-4

40. कपड़े धोने वाला-3

5. अनुभवी-4

42. बलमाम-2

6. जुड़वा-3

44. सरिता-4

7. दक्षिणा-2

शब्द पहली - 2775 का हल

ज	हा	ल	त	नि	इ	र	मा
क	प	क्षय	आ	स	क	ला	मा
ल	त	ही	र	क	ल	हा	हि
प	रा	धी	न	ता	द	अ	सु
ना	र	लू	ट	मार	र		
सा	ज				सा	या	
क	व	फि	त	न	क	ह	मा
वा	न	ल	न	क	ह	ज	न
फि	व	श	या	र		हा	
र	या	ह	य	न	त	ग	नि
द	म	न		र	ब	द	र

8. अण्डे कुल का-3

9. गंग, हिलोर-3

10. एक प्रकार की दाल-3

11. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

12. गान, आकाश-4

13. चक्कड़ करना-5

14. आश्चर्यजनक-4

15. जो लायक न हो-4

16. डल्टी, कै-3

17. निवास, जन्मवासा-3

18. मंकि, लाइन-3

19. पुर, लय, आलाप-2

20. दिख, शिखा-2

21. पराजय-2

22. कर्म, भाग्य-3

23. भार-3

24. भूल, गलती (उर्दू-4)

25. भाग्य, नसीब -2

26. ईश्वर-4

27. बाग, गुलिसतान-3

28. क्रिकेट में बनते हैं-2

29. दुलारा, पुत्र-2

30. भरोसा, विश्वास-3

31. क्रामात-4

32. शोविंग करना-4

33. साधने वाला-4

34. आसान, सीधा-3

35. कपड़े धोने वाला-3

36. बलमाम-2

37. सरिता-4

38. दक्षिणा-2

39. पराजय-2

40. श्रुका हुआ -2

41. कर्म, भाग्य-3

42. भार-3

43. भूल, गलती (उर्दू-4)

44. भाग्य, नसीब -2

45. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

46. गान, आकाश-4

47. चक्कड़ करना-5

48. आश्चर्यजनक-4

49. जो लायक न हो-4

50. डल्टी, कै-3

51. निवास, जन्मवासा-3

52. मंकि, लाइन-3

53. पुर, लय, आलाप-2

54. दिख, शिखा-2

55. पराजय-2

56. कर्म, भाग्य-3

57. भार-3

58. भूल, गलती (उर्दू-4)

59. भाग्य, नसीब -2

60. ईश्वर-4

61. बाग, गुलिसतान-3

62. क्रिकेट में बनते हैं-2

63. दुलारा, पुत्र-2

64. भरोसा, विश्वास-3

65. क्रामात-4

66. शोविंग करना-4

67. साधने वाला-4

68. आसान, सीधा-3

69. कपड़े धोने वाला-3

70. बलमाम-2

71. सरिता-4

72. दक्षिणा-2

73. पराजय-2

74. श्रुका हुआ -2

75. कर्म, भाग्य-3

76. भार-3

77. भूल, गलती (उर्दू-4)

78. भाग्य, नसीब -2

79. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

80. गान, आकाश-4

81. चक्कड़ करना-5

82. आश्चर्यजनक-4

83. जो लायक न हो-4

84. डल्टी, कै-3

85. निवास, जन्मवासा-3

86. मंकि, लाइन-3

87. पुर, लय, आलाप-2

88. दिख, शिखा-2

89. पराजय-2

90. कर्म, भाग्य-3

91. भार-3

92. भूल, गलती (उर्दू-4)

93. भाग्य, नसीब -2

94. ईश्वर-4

95. बाग, गुलिसतान-3

96. क्रिकेट में बनते हैं-2

97. दुलारा, पुत्र-2

98. भरोसा, विश्वास-3

99. क्रामात-4

100. शोविंग करना-4

101. साधने वाला-4

102. आसान, सीधा-3

103. कपड़े धोने वाला-3

104. बलमाम-2

105. सरिता-4

106. दक्षिणा-2

107. पराजय-2

108. श्रुका हुआ -2

109. कर्म, भाग्य-3

110. भार-3

111. भूल, गलती (उर्दू-4)

112. भाग्य, नसीब -2

113. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

114. गान, आकाश-4

115. चक्कड़ करना-5

116. आश्चर्यजनक-4

117. जो लायक न हो-4

118. डल्टी, कै-3

119. निवास, जन्मवासा-3

120. मंकि, लाइन-3

121. पुर, लय, आलाप-2

122. दिख, शिखा-2

123. पराजय-2

124. कर्म, भाग्य-3

125. भार-3

126. भूल, गलती (उर्दू-4)

127. भाग्य, नसीब -2

128. ईश्वर-4

129. बाग, गुलिसतान-3

130. क्रिकेट में बनते हैं-2

131. दुलारा, पुत्र-2

132. भरोसा, विश्वास-3

133. क्रामात-4

134. शोविंग करना-4

135. साधने वाला-4

136. आसान, सीधा-3

137. कपड़े धोने वाला-3

138. बलमाम-2

139. सरिता-4

140. दक्षिणा-2

141. पराजय-2

142. श्रुका हुआ -2

143. कर्म, भाग्य-3

144. भार-3

145. भूल, गलती (उर्दू-4)

146. भाग्य, नसीब -2

147. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

148. गान, आकाश-4

149. चक्कड़ करना-5

150. आश्चर्यजनक-4

151. जो लायक न हो-4

152. डल्टी, कै-3

153. निवास, जन्मवासा-3

154. मंकि, लाइन-3

155. पुर, लय, आलाप-2

156. दिख, शिखा-2

157. पराजय-2

158. कर्म, भाग्य-3

159. भार-3

160. भूल, गलती (उर्दू-4)

161. भाग्य, नसीब -2

162. ईश्वर-4

163. बाग, गुलिसतान-3

164. क्रिकेट में बनते हैं-2

165. दुलारा, पुत्र-2

166. भरोसा, विश्वास-3

167. क्रामात-4

168. शोविंग करना-4

169. साधने वाला-4

170. आसान, सीधा-3

171. कपड़े धोने वाला-3

172. बलमाम-2

173. सरिता-4

174. दक्षिणा-2

175. पराजय-2

176. श्रुका हुआ -2

177. कर्म, भाग्य-3

178. भार-3

179. भूल, गलती (उर्दू-4)

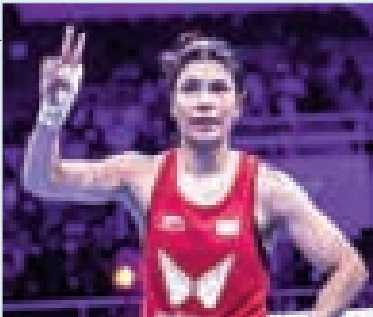
180. भाग्य, नसीब -2

181. ओस, खनी जल(उर्दू-4)

182. गान, आ

बॉक्सिंग में भारत की गोल्डन हैट्रिक, निकहत जरीन 50 किग्रा भार वर्ग में बनीं विश्व चैम्पियन (एजेंसी)

रविवार को महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत को तीसरा गोल्ड मेडल मिला है। 26 वर्षीय मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा) यहां वियतनाम की एनगुएन थि ताम को 5-0 से हराकर विश्व चैम्पियन बनीं। यह उनका दूसरा विश्व खिताब है। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू गंधास (48 किग्रा) और अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा (81 किग्रा) शनिवार को यहां महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में अलग अलग अंदाज में जीत से विश्व चैम्पियन बनीं और इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नीतू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया की लुतसाईखान अल्तानसेतसेग को 5-0 से हराकर न्यूनतम वजन वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्टेडियम में बीजिंग ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और नीतू के आदर्श विजेदर सिंह भी मौजूद थे। स्वीटी ने लाइट हेवीवेट वर्ग में चीन की वांग लिना की चुनौती से पार पाते हुए 4-3 से जीत हासिल की और भारत को दोहरी सफलता दिलायी।



मोरक्को ने ब्राजील पर दर्ज की ऐतिहासिक जीत



टैजियर ।

मोरक्को ने सुफियान बोफाल और अब्दलहामिद साबिरी के गोलों की मदद से दोस्ताना मैच में ब्राजील पर 2-1 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह पांच बार की विश्व चैपियन ब्राजील के खिलाफ मोरक्को की पहली जीत है। करीब 65000 फुटबॉल प्रेमियों से खचाखच भरे इब्ने बतुता स्टेडियम पर शनिवार को खेले गए मुकाबले में बोफाल ने 29वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके मोरक्को को बढ़त दिलाई। कैसीमिरो ने 67वें मिनट में ब्राजील के लिये गोल

दागकर स्कोर बराबर कर दिया। अंततः, प्रतिस्थापन खिलाड़ी साबिरी ने 79वें मिनट में गोल किया जो मोरक्को की जीत के लिए निर्णायक साबित हुआ। फीफा विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद यह घरेलू मैदान पर मोरक्को का पहला मैच था, जहां उसने प्रशंसकों को इस यादगार जीत का तोहफा दिया। गौरतलब है कि मोरक्को विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम थी। उसने अपने यादगार अभियान में बेल्जियम, स्पेन और पुर्तगाल जैसी बड़ी टीमों को हराकर फुटबॉल जगत में हलचल मचाई थी।

आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वाले बल्लेबाजों में केवल एक विदेशी

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 सत्र इस माह के अंत में शुरू होने जा रहा है। इसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। आईपीएल में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में केवल एक ही विदेशी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर हैं। बाकि चार बल्लेबाज भारतीय हैं। इनमें विराट कोहली, शिखर धवन, रोहित शर्मा और सुरेश रैना हैं। विराट , रोहित, धवन और वार्नर जहां अब भी खेल रहे हैं। वहीं रैना ने संन्यास ले लिया है।

1 विराट कोहली : 2013 से 2021 तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तानी करने वाले विराट कोहली लीग के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। विराट ने 215 पारियों में 36.19 के औसत और 129.14 के स्ट्राइक रेट से 6624 रन बनाए हैं। उन्होंने लीग में अब तक 5 शतक, 44 अर्धशतक लगाए हैं। विराट के इतने अधिक रनों के बाद भी आरसीबी एक बार भी खिताब नहीं जीती है।

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने जिस प्रकार का खेल दिखाया है उससे कोई भी उसे टीम में शामिल कर लेगा। साथ ही कहा कि अगर मैं भी चयनकर्ता होता तो उसे शामिल करता। उन्होंने कहा, शुभमन काफी अच्छा कर रहा है और सभी को इसे स्वीकार करना चाहिए हालांकि मैं अवसरों के लिए तैयार हूं। खिलाड़ियों के लिए मौके हमेशा रहते हैं। कभी भी चमत्कार हो सकता है। मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास रहा हूं।

धवन ने अंतिम बार गत वर्ष बांग्लादेश के खिलाफ

2 शिखर धवन : शिखर धवन आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। धवन ने 35.07 की औसत और 126.34 की स्ट्राइक रेट से 6244 रन बनाये हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले दो-तीन सत्रों में शानदार बल्लेबाजी की थी। **3 डेविड वार्नर :** सनराइजर्स आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान बने हैं। वह सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान भी रहे हैं। वार्नर आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। वह इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। वह पिछले 2022 संस्करण में रोहित शर्मा के 5879 रनों के आंकड़े से आगे निकले थे। उन्होंने 162 पारियों में 42 की औसत और 140.69 की स्ट्राइक रेट से 5881 रन बनाए हैं। उन्होंने लीग में अब तक 4 शतक और 55 अर्धशतक लगाये हैं।

4 रोहित शर्मा : रोहित ने इस लीग में खेली गई 222 पारियों में 30.30 के औसत और 129.89 के स्ट्राइक रेट से 5879 रन बनाए हैं।

शुभमन ने शानदार प्रदर्शन किया है : धवन

मैच में खेला था। उसके बाद से ही उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। जिस प्रकार से युवा खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे धवन की वापसी कठिन नजर आ रही है। इससे पहले वह वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ टीम की कप्तानी भी कर चुके थे और माना जा रहा था कि एकदिवसीयविश्व कप के लिए वह टीम इंडिया की योजनाओं में शामिल हैं। वहीं उनकी जगह टीम में शामिल किए गए शुभमन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर बेहद अच्छा प्रदर्शन किया। जिससे धवन की वापसी असंभव हो गयी है। इससे यह तय हो गया है कि विश्व कप में शुभमन ही कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। धवन भी जानते हैं कि अब उनके लिए वापसी की उम्मीदें नहीं हैं। इसी को देखते हुए वह अपनी संन्यास

खेल

सात्विक-चिराग ने जीता स्विस् ओपन 2023 का खिताब, चीन के रेन-तान को हराया

बेसल ।

भारत के सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड्ढी ने स्विस् ओपन के पुरुष युगल फाइनल में रविवार को चीन के रेन जियांग यू और तान कियांग को हराकर 2023 का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चैपियन सात्विक-चिराग ने 54 मिनट चले रोमांचक खिताबी मुकाबले में चीनी युगल को 21-19, 24-22 से मात दी। इससे पहले सात्विक-चिराग ने सेमीफाइनल में मलेशिया के ओंग यू सिन और टियो ई यी को परास्त किया था। पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने धैर्यवान शुरुआत करने के बाद आक्रामक रुख अपनाया और 18-13 की बढ़त

बना ली। सात्विक-चिराग जब गेम जीतने से सिर्फ तीन पॉइंट दूर थे तब चीनी युगल ने शानदार डिफेंस का प्रदर्शन कर स्कोर 18-17 कर दिया। रेन-तान ने गेम समाप्त होने से पहले तीन अंक और स्कोर किये लेकिन चिराग के शानदार शॉट चयन ने भारत को 21-19 की जीत दिला दी। पहले गेम के अंतिम हिस्से में लय हासिल करने वाली चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में लगातार पॉइंट स्कोर किए, हालांकि सात्विक-चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। भारत जब 20-19 पर चैपियनशिप जीतने से



सिर्फ एक पॉइंट दूर था तब शटल नेट से लगकर भारतीय खेमे में गिर गई और स्कोर 20-20 से बराबर हो गया। रेन-तान ने एक समय पर 22-21 की बढ़त भी बना ली

लेकिन वह उसे जीत में तब्दिल नहीं कर सके। दूसरी ओर, सात्विक-चिराग ने लगातार तीन पॉइंट स्कोर करके खिताब अपने नाम कर लिया।

विश्व युवा चैम्पियनशिप: भारतीय भारोत्तोलकों ने दो कांस्य पदक जीते

नई दिल्ली । भारतीय भारोत्तोलक धनुष लोगानाथन और ज्योश्ना साबर ने अल्बानिया के डुरेस में चल रही आईडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप के शुरुआती दिन अपने वजन वर्गों में कांस्य पदक जीते। महिलाओं के 40 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा ले रहीं 14 वर्षीय ज्योश्ना ने शनिवार की रात कुल 115 किग्रा (स्नैच में 53 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 62 किग्रा) का वजन उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। ज्योश्ना ने स्नैच वर्ग में रजत पदक जीता लेकिन वह क्लीन एवं जर्क वर्ग में सात भारोत्तोलकों में छठे स्थान पर थीं। वहीं धनुष ने पुरुषों की 49 किग्रा स्पर्धा में कुल 200 किग्रा (88 किग्रा और 112 किग्रा) का वजन उठया जिससे वह फिलीपींस के प्रिंस के. डेलोस सांतोस और इरोन बोरेस से पीछे तीसरे स्थान पर रहे। इस 16 वर्षीय भारोत्तोलक ने स्नैच वर्ग में रजत पदक जीता। युवा चैम्पियनशिप में 13 से 17 वर्ष के भारोत्तोलक हिस्सा ले सकते हैं। महाद्वीपीय और विश्व चैम्पियनशिप में स्नैच, क्लीन एवं जर्क तथा कुल वजन वर्ग में पदक अलग अलग दिए जाते हैं लेकिन ओलंपिक खेलों में कुल वजन वर्ग के लिये केवल एक पदक दिया जाता है।



गांगुली ने ऋषभ को बताया विशेष खिलाड़ी, पूरी तरह ठीक होने के बाद ही वापसी करें

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के निदेशक सोरव गांगुली ने कहा है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करनी चाहिये। ऋषभ गत वर्ष हुए कार हादसे से अभी उबर रहे हैं। वह 30 दिसंबर को कार हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गये थे। ऋषभ इस साल आईपीएल सहित विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। उनके बाहर होने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वार्नर को सौंपी गयी है। गांगुली ने कहा राष्ट्रीय टीम को भी उनकी कमी खल रही है। वह युवा हैं और उनके करियर में काफी समय बचा है। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं और उसे ठीक होने के लिए अपना पूरा समय लेना चाहिए। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और मैं उनसे जाकर मिलूंगा भी। वहीं आईपीएल के नए सत्र के बारे में उन्होंने कहा, लड़कों के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है और मैं सत्र के शुरू होने का इंतजार कर रहा



हूं। नेट अभ्यास अच्छा है पर हम मैच मोड में आना चाहते हैं। कोच रिकी पॉटिंग शानदार है। वह ट्रेनिंग के दौरान काफी उत्साह लाते हैं। कप्तान ऋषभ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी वॉर्नर के जबकि उप-कप्तानी अक्षर पटेल के पास है। गांगुली ने वॉर्नर के बारे में कहा वॉर्नर टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हैं। वह हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहता है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। उसके नाम इस टूर्नामेंट में काफी रन होने के साथ ही अनुभव भी है।



मुझे अगर अवसर मिलेगा तो मैं फिल्में में भी काम करूंगा।

महिला मुक्केबाज स्वीटी का सफर आसान नहीं रहा

नई दिल्ली ।

कबड्डी खिलाड़ी से मुक्केबाज बनी स्वीटी बूरा ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 80 किग्रा वर्ग में में स्वर्ण जीतने के साथ ही अपने को साबित किया है। स्वीटी ने अपने पिता की सलाह पर मुक्केबाजी शुरू की थी। साल 2009 में 15 साल की उम्र में पहली बार स्वीटी ने बॉक्सिंग ट्रेनिंग सेंटर का रुख किया। किसान की बेटी स्वीटी को शुरू में काफी बाधाओं और परेशानियों का सामना करना पड़ा। अंत में संघर्ष सफल हुआ है और स्वीटी देश की शीर्ष महिला मुक्केबाजों में से एक बनकर उभरी हैं। वह 2014 विश्व चैपियनशिप में रजत पदक विजेता थीं। इस मुक्केबाज ने नई दिल्ली में आयोजित विश्व महिला मुक्केबाज चैपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इस मुक्केबाज ने हाल ही में जॉर्डन में एशियाई चैपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था।80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाज स्वीटी बूरा हरियाणा के हिसार की रहने वाली हैं। पर की कमजोर आर्थिक हाल के बाद भी उसने मुक्केबाजी जारी रखी। साल 2009 में स्वीटी ने 3 महीने के अंदर ही राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीते।

संक्षिप्त समाचार



शोएब अख्तर ने पहले टी20 में जीत पर अफगानिस्तान को बधाई दी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने शारजाह में खेले गए टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान के हाथों अपनी टीम के हारने पर भी खुशी जतायी है। अख्तर ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि हमारे पठान भाई जीते हैं। अफगानिस्तान ने इस मुकाबले में पाक को छह विकेट से हरा दिया। शोएब ने इस जीत पर । अफगानिस्तान को बधाई दी है। अख्तर ने कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को शानदार तरीके से हराया है। शोएब ने कहा, अफगानिस्तान ने ठीक-ठीक तरीके से पाकिस्तान को पीटा है। अफगानिस्तान की टीम काफी अच्छी है। उनके स्पिनर्स और तेज गेंदबाज दोनों ही काफी अच्छे हैं। गेंदबाज मोहम्मद नबी ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस जीत से भारत में होने वाले विश्वकप के लिए अफगान टीम का मनोबल बढ़ेगा। वहीं यह भी कहा कि पाक टीम के युवा कप्तान शादाब खान को निराश नहीं होना चाहिये। वह एक बहुत अच्छे कप्तान हैं और अगले मैच में वापसी करेंगे। शारजाह में खेले गए मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 92 रन ही बना पायी। इसमें पाकिस्तान की युवा टीम अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी नहीं कर पायी। 93 रनों के लक्ष्य को अफगानिस्तान ने 13 गेंद और 6 विकेट रहते ही हासिल कर लिया। नबी ने नाबाद 38 रनों की पारी खेली।

सूर्यकुमार का बल्लेबाजी क्रम बदलकर रोहित ने गलती की : कनेरिया

लाहौर । आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में तीनों ही एकदिवसीय क्रिकेट मैचों में रन नहीं बना पाये। इसके बाद भी कप्तान रोहित शर्मा के उनका बचाव करने को पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सही बताया है पर कहा कि उनका बल्लेबाजी क्रम बदलकर रोहित ने गलती की है। कनेरिया ने कहा कि सूर्या काफी अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका समर्थन करना चाहिये। उन्होंने आखिरी एकदिवसीय सूर्या का बल्लेबाजी क्रम बदलने के लिए रोहित को जिम्मेदार माना है। कनेरिया के अनुसार सूर्या को नंबर 4 पर ही बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये। कनेरिया ने सूर्यकुमार का बचाव करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार के मामले में भारतीय टीम प्रबंधन ने पर्याप्त आत्मविश्वास नहीं दिखाया है। उन्हें अपनी स्थिति नहीं बदलनी चाहिए थी। यहां तक कि विराट कोहली जैसे बल्लेबाज को भी फॉर्म में आने में कुछ समय लगा पर उनकी स्थिति नहीं बदली, ऐसे में सूर्यकुमार यादव के साथ ऐसा क्यों किया गया? सूर्यकुमार के खराब प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम प्रबंधन जिम्मेदार है।' उन्होंने कहा, 'यह रोहित की भी गलती है। उन्होंने ऐसे समय में उसका क्रम बदला जब उसे मनोबल बढ़ाये जाने के साथ ही प्रेरित किये जाने की जिम्मेदारी थी। उसे अपने क्रम पर ही बल्लेबाजी के लिए उतारा जाना चाहिये।'

मविष्णु में बांग्लादेशी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को आईपीएल में शायद ही अवसर मिले

मुम्बई । आने वाले समय में बांग्लादेशी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए बांग्लादेश और श्रीलंकाई बोर्ड की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। इन दोनों ही बोर्ड ने आईपीएल के लिए खरीदे गये खिलाड़ियों को अभी तक एनओसी नहीं दी है। आईपीएल में इस बार सिर्फ तीन ही बांग्लादेशी खिलाड़ी शामिल हैं। ये हैं शाकिब अल हसन, लिटन दास और मुस्तफिजुर रहमान।ये तीनों ही खिलाड़ी केवल 9 अप्रैल से 5 मई तक और फिर 15 मई से आईपीएल के लिए उपलब्ध होंगे। ऐसे में बांग्लादेश के एनओसी मुद्दे से बीसीसीआई और आईपीएल फेंचाइजी नाराज हैं। वहीं, आईपीएल में श्रीलंका के भी चार खिलाड़ी खेलने जा रहे हैं पर ये खिलाड़ी भी एनओसी नहीं मिलने के कारण टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में शामिल नहीं हो पाएंगे। श्रीलंकाई खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने दौरे के बाद 8 अप्रैल से ही आईपीएल में अपनी फेंचाइजी के साथ जुड़ पाएंगे। श्रीलंका और बांग्लादेश के सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फेंचाइजी के लिए काफी अहम हैं। इन खिलाड़ियों ने आईपीएल 2023 नीलामी में रजिस्ट्रेशन कराया। इसे बाद भी उनके संबंधित बोर्ड ने एनओसी नहीं दी है। इसके कारण ये कुछ मैच नहीं खेल पायेंगे। इसी को लेकर एक आईपीएल फेंचाइजी के अधिकारी ने कहा है कि अगर आप देखें तो तस्कीन अहमद को एनओसी नहीं मिली और अब उनके बोर्ड नहीं चाहते कि उनके खिलाड़ी खेलें तो उन्हें रजिस्ट्रेशन नहीं कराना चाहि पर अब भविष्य में बांग्लादेशी खिलाड़ियों को लिए जाने से पहले सभी विचार करेंगे। बांग्लादेश और श्रीलंका के सात खिलाड़ी आईपीएल 2023 में शामिल हैं। भानुका राजपक्षे पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हैं, जबकि श्रीलंका के अन्य तीन खिलाड़ी दूसरे सप्ताह से ही उपलब्ध रहेंगे।





मैं डांसर बनना चाहती थी, लेकिन अभिनय अचानक हो गया : मेघा चक्रवर्ती

अभिनेत्री मेघा चक्रवर्ती, जो वर्तमान में टेलीविजन शो इमली में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने साझा किया कि उन्हें डांस में अधिक रुचि थी और अभिनय उनके दिमाग में कभी नहीं था, लेकिन यह अचानक हुआ। उन्होंने कहा मैं एक डांसर बनना चाहती थी, लेकिन अभिनय अचानक हो गया। मैंने अभी-अभी एक ऑडिशन में अपना शॉट दिया और सेलेक्ट हो गया... और फिर मेरा सफर शुरू हो गया। शो के सफल होने और इमली के रूप में सुम्बुल तौकीर से संबंधित दर्शकों के शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए, मेघा ने कहा कि उस पर अपनी जगह बनाने का बहुत दबाव था। जैसा कि उन्होंने कहा निश्चित रूप से क्योंकि इमली पहले से ही हिट थी। निर्माता कहानी में कुछ बदलाव चाहते थे और यह इमली को पहले की तरह बनाए रखने और टीआरपी बनाए रखने का दबाव था। मैं दर्शकों को खुश रखने की कोशिश कर रही हूँ और हम एक नई टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। बड़ी देवरानी, कृष्णा चली लंदन जैसे शो कर चुकीं मेघा ने कहा कि इंडस्ट्री में बहुत प्रतिस्पर्धा है और सफलता हासिल करना आसान नहीं

है। उन्होंने कहा, हर क्षेत्र में गलाकाट प्रतिस्पर्धा है। आपको कई बार अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है और कभी-कभी आप कारणों को नहीं समझ पाते। यह सब हमारे काम का हिस्सा है। इस इंडस्ट्री में भी नेपोटिज्म है और कुछ लोगों को आसानी से जॉब मिल जाती है। लेकिन बाद में, उन्हें अपनी ताकत भी साबित करनी होगी। उनके लिए भूमिका पाना आसान है और बाद में, प्रतिभा का प्रदर्शन उन पर निर्भर करता है। हम जैसे लोग, जो इंडस्ट्री से नहीं हैं, कम कॉन्टैक्ट्स की वजह से पैर जमाने में मुश्किल होती है। टीवी में भी बहुत प्रतिस्पर्धा है लेकिन नए लोगों को भी मौका दिया जाता है इसलिए यह एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। लंबे समय तक टिके रहने के लिए प्रतिभावान होना जरूरी है। मेघा, जो एक बहुत अच्छी डांसर हैं, शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हैं। उन्होंने कहा, शाहरुख खान ने हमेशा मुझे प्रेरित किया है और मैं उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक हूँ। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक अभिनेता बनूंगी, लेकिन जब से मैं बनी हूँ, मैं हमेशा उनसे सीखना चाहती हूँ। मैं शाहरुख खान का हर इंटरव्यू देखती हूँ और इससे मुझे काफी प्रेरणा मिलती है। वह जिस तरह से बोलते हैं, उसकी आंखों में एक चमक है जिसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। अपनी पूरी यात्रा के बारे में बात करते हुए मेघा ने कहा, यात्रा बहुत अच्छी रही है। उतार-चढ़ाव हर किसी के करियर में होते हैं, लेकिन मैं खुशकिस्मत हूँ कि चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं और मैं अपने काम का आनंद ले रही हूँ।



अनन्या पांडे ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में निभाएंगी मुख्य भूमिका

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज कॉल मी बे में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। अभिनेता वरुण धवन ने एक मजेदार वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को आगामी श्रृंखला में अनन्या पांडे को बे के रूप में पेश किया। वीडियो में, अनन्या वरुण को फैशन की बारीकियों पर कुछ कहते हुए दिखाई देती हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। कॉल मी बे एक अरबपति फैशनिस्टा बे (अनन्या पांडे द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जिसे उसके अमीर परिवार ने सेक्स स्कैंडल के कारण त्याग दिया है। फिर वो अकेली पड़ जाती है और कई पूर्वाग्रहों के इर्द-गिर्द अपनी यात्रा में खुद को खोजती है। शो के प्रोड्यूसर करण जोहर, अपूर्व मेहता और सोमेश मिश्रा हैं और निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा ने किया है। इशिता मोइत्रा द्वारा रचित सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।



आप नेता राघव चड्ढा को डेट कर रही एक्ट्रेस परिणीति!

राजनीति और बॉलीवुड का संबंध हमेशा से ही गहरा रहा है। बॉलीवुड और राजनीति जगत से कई हस्तियों को उनका पार्टनर मिला है। अब फिर दोनों जगत से दो दिल एक हो रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि मशहूर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

दोनों को एक साथ रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया, जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप के चर्चे तेज हो गए। हालांकि, अब तक इन खबरों पर परिणीति और राघव की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वायरल हो रही तस्वीरों में देखा जा सकता है कि परिणीति और राघव दोनों पीछे मुड़कर कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं। इस दौरान दोनों क्लाइंट शर्ट में टिवनिंग करते भी नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरे पर हल्की स्माइल देखने को मिल रही है। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस पूछने लगे कि कहीं ये दोनों एक दूसरे को डेट तो नहीं कर रहे। हालांकि, इस पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। बता दें, इससे पहले इस साल के शुरुआती महीने जनवरी में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा को भारत यूके आउटस्टैंडिंग अचीवर्स ऑनर्स के सम्मान से एक साथ नवाजा गया था। भारत में पहली बार किसी को यह सम्मान मिला था। वहीं 15 साल पहले परिणीति चोपड़ा ब्रिटेन के मैनचेस्टर स्कूल की छात्रा रह चुकी हैं और वहीं राघव चड्ढा ने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से पढ़ाई कर चुके हैं। जहां अभी तक परिणीति सिंगल हैं और राघव ने भी 34 साल की उम्र तक शादी नहीं की है।

सान्या के सुपर कूल डांस मूव्स ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

सान्या एक बेहतरीन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक बेहतरीन डांसर भी हैं। सान्या मल्होत्रा ने डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस के लिए ऑडिशन भी दिया था। हालांकि वह रिजेक्ट हो गई थीं। इसकी बाद सान्या ने अपनी दमदार एक्टिंग की बदौलत फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई। सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। सान्या नियमित रूप से विभिन्न शैलियों में अपने डांस और नए नए डांस मूव की वीडियो साझा करती हैं और प्रशंसक हमेशा अभिनेत्री के लिए प्यार और प्रशंसा की बाछर करते हैं। सान्या पिछले रविवार को सफेद क्रॉप टॉप और ब्लैक पैट में डांस कर रही थी और उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे और अपने कमरे में नीले रंग के लाइट में मस्ती करते हुए बिताया। सान्या मल्होत्रा के वर्कफंट की बात करें तो, अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी फिल्म सैम बहादुर की शूटिंग पूरी की, जहां वह विक्की कोशल और फातिमा सना शेख के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। सान्या के पास पाइप लाइन में जवान, कथल और ग्रेट इंडियन किचन भी है। 2023 में एक के बाद एक चार अनूठी परियोजनाओं के साथ यह वर्ष सान्या का है।



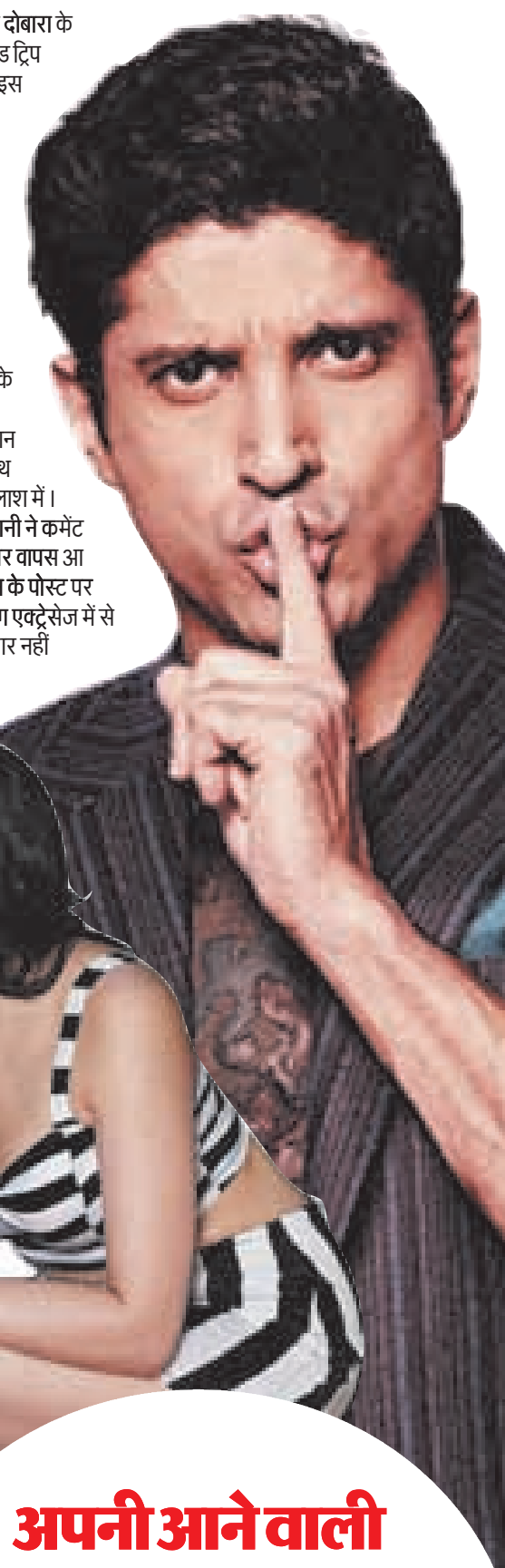
शिल्पा शेटी ने 17 साल बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेटी 17 साल बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में शानदार वापसी कर रही हैं और एक्शन हीरो ध्रुव सरजा अभिनीत केडी में नजर आएंगी। निर्देशक प्रेम ने कैप्शन के साथ अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्टर साझा किया। प्रेम ने कैप्शन में लिखा, आप सभी को उगादी की शुभकामनाएं। इस शुभ दिन पर, एक पावरहाउस युद्ध में प्रवेश करता है! केडी युद्ध के मैदान में शक्तिशाली शिल्पा शेटी का स्वागत है! विंटेज लुक वाले पोस्टर ने कर्नाटक में शिल्पा के प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार संजय दत्त भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। शिल्पा ने इससे पहले 1998 में वी. रविचंद्रन के साथ सुपरहिट कन्नड़ फिल्म प्रीथसोड थाप्पा में काम किया था। उन्होंने ऑडगोना बा (2003) में भी अभिनय किया और 2005 में, उन्होंने उपेंद्र के साथ ऑटो शंकर में एक भूमिका निभाई।



फरहान ने शुरू किया जी ले जरा पर काम

दिल चाहता है और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के बाद एक्सेल एंटरटेनमेंट एक और रोड ट्रिप फिल्म लेकर आने के लिए तैयार है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनस, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट नजर आएंगी और फिल्म का टाइटल जी ले जरा है। फिल्म की घोषणा भी काफी पहले हो चुकी है। लेकिन अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के निर्देशक फरहाद अख्तर इन दिनों फिल्म के लिए लोकेशन की तलाश कर रहे हैं और जहां से फैंस के लिए उन्होंने एक पक्कर भी शेयर की है। जिसमें उन्हें राजस्थान के रेगिस्तान में खड़े देखा जा सकता है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा-सोने की तलाश में। इस पोस्टर पर प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने कमेंट किया- और वह निर्देशक की कुर्सी पर वापस आ गए हैं वहीं आलिया भट्ट ने भी फरहान के पोस्टर पर रिएक्ट किया है, जो फिल्म की लीडिंग एक्ट्रेसज में से एक है। उन्होंने कमेंट में लिखा, इंतजार नहीं कर सकती.



अपनी आने वाली फिल्म कमांडो 4 के लिए केला डाइट पर अदाह शर्मा

एक्शन थ्रिलर फिल्म कमांडो 3 में नजर आ चुकीं हसी तो फंसी की अभिनेत्री अदाह शर्मा कमांडो 4 की शूटिंग में व्यस्त हैं और उन्होंने साझा किया कि वह स्क्रीन पर पुलिस वाले की भूमिका निभाना और शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए सख्त आहार का पालन करना पसंद करती है। उन्होंने बनाना डाइट पर रहने की बात कही। जीवन भर शुद्ध शाकाहारी रही अदाह ने कहा, केले पोटेथियम से भरपूर होते हैं, बालों और त्वचा के लिए अच्छे होते हैं, पाचन के लिए अच्छे होते हैं। केले ट्रिटोफेन नामक एक मूड-रेगुलेटिंग पदार्थ छोड़ते हैं जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाता है। यह आपको खुश करता है। मैं बदरों और मोरिल्लाओं से बहुत प्रेरित हूँ। वह केले खाते हैं और बहुत मजेदार और ऊर्जावान लगते हैं। अभिनेत्री को कमांडो फेंचाइजी में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने का मौका मिला। जब आप एक भूमिका के लिए पुलिस की वदी पहनते हैं तो आपको जिम्मेदारी का अहसास होता है। मैं फिर से भावना रेड्डी की भूमिका निभाऊंगी। अदाह अगली बार सची घटनाओं पर आधारित हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी में नजर आएंगी।



देश-विदेश

**चीन-पाकिस्तान से
जुड़ा लेह-मनाली
राजमार्ग 138 दिनों के
रिकॉर्ड समय में खुला**

हुई दिल्ली। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लेह-मनाली राजमार्ग (एनएच 3) 138 दिनों के रिकॉर्डींग राजमार्ग समय में खोल दिया है। पिछले साल इस राजमार्ग को यातायात के लिए खोलने में 144 दिन लगे थे। मनाली के रास्ते लद्दाख को बाकी भारत से जोड़ने वाला 427 किलोमीटर लंबा यह एक रणनीतिक राजमार्ग है। इसका लद्दाख के अदरूनी क्षेत्रों में सशस्त्र बलों और उनके सामानों की आपूर्ति को आवाजाही के लिहाज से खासा रणनीतिक महत्व है और इसकी सीमा चीन और पाकिस्तान दोनों से लगी हुई है। बीआरओ के मुताबिक यह राजमार्ग 4222 किलोमीटर लंबे श्रीनगर-कारगिल-लेह राजमार्ग (एनएच-1डी) का एक वैकल्पिक रास्ता है, जिसे सीमा सड़क संगठन ने 16 मार्च को ही खोल दिया था। बीआरओ ने निम्न-पदम-दारच में 16,580 फीट पर स्थित शिंकुला दर्रे को भी 23 मार्च को 55 दिनों के रिकॉर्ड पर खोल दिया है। हिमाचल परियोजना के मुख्य इंजीनियर ब्रिगेडियर गौवर्धन मुखर्जी और दीपक परियोजना के मुख्य इंजीनियर कर्नल विशाल गुलेरिया ने इस राजमार्ग से बर्फ हटाने और खुलने की घोषणा की। यह राजमार्ग सुरक्षा बलों की आवाजाही और लद्दाख क्षेत्र में अग्रिम ठिकानों तक आपूर्ति के लिए साजो-सामान पहुंचाने के लिए इसकी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसकी सीमा चीन और पाकिस्तान दोनों से लगी हुई है।

नौसेना के अग्निवीरों का पहला बैच तैयार, 28 मार्च को होगी पासिंग आउट परेड



2600 अग्निवीरों में 273 महिलाएं

**सफल प्रशिक्षु समुद्री
प्रशिक्षण के लिए
सीमावर्ती युद्धपोतों पर
तैनात किए जाएंगे**

नई दिल्ली। नौसेना के अग्निवीरों का पहला बैच तैयार हो गया है। जिसकी पासिंग आउट परेड (पीओपी) 28 मार्च को आईएनएफएच में चिल्का पर होगी। पहले बैच के 2600 अग्निवीरों में 237 महिलाओं भी हैं। प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक पीओपी के मुख्य अतिथि नौसेनाध्यक्ष और समीक्षा अधिकारी नौसेनाध्यक्ष

एडमिरल अरु हरि कुमार हो।
सफल प्रशिक्षणों को समुद्री प्रशिक्षण
केर के लिए समीचीनी युद्धपोतों पर
नैतान किया जाएगा।
दक्षिणी नौसेना कमान के प्रत्येक
आईफिसर नौसेना-इन्-चीफ वाइस
एडमिरल एम्प हम्पी होली ने बताया
कि नौसेना ने 273 महिलाओं सहित
करीब 2600 अंगिवीरों का चयन
करके के उनका प्रशिक्षण नवंबर,
2022 में आईएनएस चिल्का में
शुरू किया था। समुद्री योद्धा के रूप
में अंगिवीरों ने भारतीय नौसेना के
नाविकों के प्रमुख प्रशिक्षण प्रशिक्षण
आईएनएस चिल्का में प्रारंभिक

प्रशिक्षण के 16 सप्ताह पूरे किए। आईएनएस चिल्का के प्रशिक्षण में कार्यकर्ता, सम्मान और साहस के मूल नौसेना मूल्यों के आधार पर शैक्षणिक, सेवा और बाहरी प्रशिक्षण शामिल है। इस बैच में शामिलतालुआ अग्निवरी 26 जनवरी को कार्यकर्ता पथ पर भारतीय नौसेना की गणतंत्र दिवस परेड टुकड़ी के हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि यह पासिंग आउट पराजित प्रशिक्षुओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर और उनके परिवारों के लिए गर्व का क्षण है। नौसेना के अग्निवरी का यह पहला पासिंग आउट बैच है, जो सशस्त्र

बलों और राष्ट्र के लिए नई शुरुआत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान को पथर है। परंपरागत रूप से पारसिंग आउट पोस्ट सुबह के वक्त होती है, लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों में पहली बार ऐसे एंतिहासिक पीढ़ी की कार्यरत के बाद अवर्धित किया जाएगा। मुख्य अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारी नैनीताल नैनीताल एडमिरल ए. हरि कुमार अगिनवती को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान करेंगे। नैनीताल नैनीताल के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) दिवंगत जनरल बिपिन रावत की याद में

यह गता को महिला से प्रथम रहने वाला अहिंसक अनिवार प्रशिक्षु के लिए 'रोलिंग ट्रॉफी' शुरू की है, जो अगले बैच से दी जाएगी। यह ट्रॉफी स्वीय जनरल रावत की बेटीय कृतिका और तारीनी योग्य महिला अहिंसक को देंगी। पहली बार पासिंग आउट परेड में प्रतिष्ठित वेंटरन नाविक भाग लेंगे, जिन्होंने अपनी सेवाकाल के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद के करियर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रतिष्ठित खिलाड़ियों की भी पीढ़ी में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

एयर इंडिया के पायलट ने नेपाल में बिना अनुमति नीचे उतारा विमान, उड़ान भरने पर रोक

काठमांडू। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (क्यान) ने एयर इंडिया के पायलट पर नेपाल में नियम विपरीत उड़ान भरने पर फिलहाल के लिए प्रिविबंध लगा दिया है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के घटना के समय हवाई यातायात निबंधन में कार्यरत तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दिल्ली से काठमांडू आ रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने 24 मार्च की सुबह 19 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरते समय हवाई यातायात निबंधन (एटीसी) की अनुमति के बगैर अचानक विमान को 15 हजार फीट पर नीचे उतार दिया, जिससे विमान नेपाल एयरलाइंस के एक विमान से टकराते-टकराते बचा। क्यान ने जांच प्रक्रिया शुरू की है, जिसकी रिपोर्ट आने तक एयर इंडिया के पायलट को नेपाल में उड़ान भरने पर प्रिविबंध लगाने के लिए एयर इंडिया से पत्राचार किया है। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि 24 मार्च की सुबह 07 बजकर 20 मिनट पर दिल्ली से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के पायलट को निरीक्षण रिपोर्ट आने तक उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने घटना के समय हवाई यातायात निबंधन में कार्यरत तीन कर्मचारियों को भी निलंबित कर दिया गया है।

सैन फ्रांसिस्को के वाणिज्य दूतावास पर तिरंगे के साथ समर्थन में पहुंचे भारतीय

वाशिगटन। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला करने वाला खालिस्तान समर्थकों के हमले के बाद बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों ने एकत्र होकर तिरंगा फहराते हुए एकजुटता दिखाई। उन्होंने बहुत कम संख्या में वहां मौजूद खालिस्तान समर्थकों के सामने वर्तमान सरकार के नारे लगाते अलगाववादी तत्वों की कड़ी निंदा की और उल्टेखनीय है कि पिछले रविवार को खालिस्तान समर्थकों ने नोर्बार्जो करते हुए सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला कर अलगाववादी तत्वों की थी और तिरंगा का अपमान किया था। जिसके जवाब में शूक्रवार को बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों ने शांति रैली निकाल कर आपसी एकजुटता दिखाई।

भारत ने 15 वर्षों में दो हजार से अधिक नेपाली अधिकारियों को 'आई टेक' में किया प्रशिक्षित



काठमाडौं भरतीनी न 15 वर्षी न डे हजलर स अधलक नेपाली अधलकारनीय न डे भरतीनी तनकीनी अधी आर्थलक सहयोग (आई टेक) न प्ररलशलत कलया है। भरतीन सरकर न कहा कलखले 15 वर्षी न डे हजलर स अधलक नेपाली अधलकारनीय न डे (आई टेक) न प्ररलशलत कलया गन है। 58 व अधलक डेक डे पर नेपाल न भरतीनी दूतावास न इस डेक क जननकारनी न है। भरतीन सरकर द्वारा वललनन क्षेत्री न छात्रवृत्तल क माथ्यम स प्रदान कल जाने वले (आई टेक) प्ररलक्षण न डे हल साल अलग-अलग वलष सौंप जाते हैं। नननन स इसर कलखे नेपालीय न फैलोशलप कलरक्रमी नै प्रबंन, भ्रष्टाचार वलषीन, अनुभवुधन, डाकं वलष अरु कलरुटेकनीय, युवा नेताअ, सलंचा, जलषीन, जलषीन जलष प्रबंन आडल न प्ररलक्षण प्राप्त कलया है। दूतावास क अनुसार, नेपाल क अरुनी जनरल कारनीयल क 32 अधलकारनीय अधी चुनाव आयोग क 29 अधलकारनीय न 2022-2023 न अई डेक कसं न प्ररलक्षण प्राप्त कलया है। इसरी तरह 24 मार्च क शलम क मनाए गए आइटुक डे पर नेपाल न भरतीनी राजनूत नवीन श्रीवास्तव न कहा क भरतीन नेपाल सहलत 160 स अधलक देशी क डे लाख स अधलक सरकारी अधलकारनीय, व्पायरनीय अरु उडमनीय क अपन ललषलस-संबंधी अनुभव अरु वलषेणज्ञता प्रदान कर रहा है।

नई दिल्ली। कांग्रेस रविवार को देशभर में पार्टी नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने के मुद्दे पर दिनभरा का संकलित सत्याग्रह आयोजित कर रही है। दिल्ली में पार्टी महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह चला रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी हर मोर्चे पर भारी नाराजगी प्रकट कर रही है। पार्टी की ओर से रैलियां और विविध प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। राहुल गांधी स्वयं भी इस मुद्दे पर मुहल मूह हैं। उल्लेखनीय है कि



गुजरात उच्च न्यायालय में राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने और त

साल की सजा होने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई थी। हाल ही में राहुल गांधी ने अपने

ट्विटर जानकारी में बदलाव करते हुए उसमें डिसक्वालिफाइड एमपी जोड़ा है।

मन की बात : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 100वें एपीसोड के लिए मांगे सुझाव



99वें एपीसोड में अंगदान करने वाले लोगों के परिजनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अमृतसर के सुखबीर और सुप्रीत से बात की, जिनकी बेटी देश की सबसे युवा अंगदान करने वाली बच्ची बनी। बच्ची की जन्म के 39 दिन ही मौत हो गई थी।

विशेष

गिटार की भारतीय उत्पत्ति

आप निश्चित रूप से सोच रहे होंगे कि यह एक मिथक है या वास्तविकता? लेकिन इस फैसले को जानकर आप वाकई हैरान रह जायेंगे। गिटार हल्के संगीत, पार्श्वभूमि भारतीय या शास्त्रीय संगीत की धुनें को कवर करने वाले वाद्य संगीत के क्षेत्र में सबसे प्रमुख वाद्ययंत्रों में से एक है। इसके मायुष्य अनिर्वचनितअनंत की असाधारण रेंज के लोगों को दुनिया भर में बांधे रखती है। हम भारतीय अपनी इंद्रियों को शुद्ध महसूस करते हैं और गिटार की धुन पर मंत्रमुग्ध होकर नाचते हैं।

अधिकांश समाप्त प्रतिपादक गिटारों के एक पेश्विकी के रूप में मानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि भारत में प्राचीन काल में वैदिक काल में गिटार बजाया जाता था; संगीत का रूप समान था। कच्छपी वीणा का उपयोग इस काल में एकल प्रदर्शन के लिए और एक सहायक वाद्य के रूप में भी किया जाता था। यह माना जाता है कि बाद में यह उपकरण दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चला गया और अलग-अलग नाम हासिल कर लिया, जबकि यह भारत से गावय हो गया। कच्छपी वीणा उस काल के प्रसिद्ध वाद्य यंत्रों में से एक थी। गिटार के जन्म को कच्छपी वीणा से जोड़ा जा सकता है, जिसका उपयोग समान (गीत) के लिए किया जाता था, इसलिए इसका नाम गिटार रखा गया।

गिटार की उत्पत्ति का रहस्य शास्त्रीय
इसके नाम में ही लुप्त है। पश्चिमी
नाम 'गिटार' न्यायवाचक से लिया
गया है। गिटार को अगर हम गीत-
लिखते हैं तो गीत+तार का जोड़
होता है तार या तार वाला वाद्य जिसे
किसी भी गीत या गीत के लिए
बजाया जा सकता है। शब्द 'गीत'
संस्कृत में गीत के लिए एक भारतीय
नाम है।
गिटार पर शास्त्रीय संगीत बहुत
पुराने समय से बजाया जाता रहा है
यह शायद बहुत कम लोगों को पता
होगा कि स्वर्गीय श्री पर्वत सिंह के
पुत्र स्वर्गीय श्री गोपाल सिंह, संगीत
में एक प्रसिद्ध परिवार, 1950 के
दशक में ऑल इंडिया रेडियो
(अ.कफ) में प्रस्तुति देते थे। उन्होंने
उस्ताद हाफिज अली खान सादर
से गिटार लिखाया गीत या और



अनेक खेल में चिकारी और सरस का उपयोग था। लेकिन किसी भी प्रकार गिटार को वीणा के किस्मों की प्रकाश या मॉडल के रूप में घोषित नहीं किया गया, बल्कि इसे उपकरणक के अनेक उच्चतम शिखर पर ले जाने के लिए इसे और संशोधनों के लिए भारतीय शास्त्रीय गिटार के रूप में अनुकूलित किया गया था।

हम वादा अंततः लोकप्रिय हो गए क्योंकि कलाकारों ने गिटार के साथ १९१९, २२, २५ अतिरिक्त ता जोड़कर प्रयोग किया और इसे एक व्यक्तिगत नाम दिया, जो काफी हास्यास्पद है। एक उपकरण के रूप में भारत में हवाईवाय स्लाइड गिटारों ने भारत में हवाईवाय स्लाइड गिटारों ने भारत में हवाईवाय स्लाइड गिटारों ने

का उपयोग भारतीय प्रकाश लोकप्रिय गीतों को चलाने के लिए किया गया था। लेकिन प्रदर्शन करने वाले कलाकार जो गिटार पर भारतीय शास्त्रीय रागों को बजाना चाहते थे, उन्होंने वाद्ययंत्र को शास्त्रीय बनाने के लिए अपने स्वयं के आकारों के अनुसार कुछ सुधार करना शुरू कर दिया। सबसे पहले, गिटार बजाने वाले प्रत्येक कलाकार ने अपनी-अपनी विधा या शैली के अनुसार परिवर्तन करना शुरू किया, जैसा कि सितार, सरोद, सारंगी, इमरजर, वीणा आदि के साथ किया जाता था। भारतीय शास्त्रीय वाद्ययंत्र प्रचलित थे।

व्हाईसन गिटार में परिवर्तन 6 नंबर स्ट्रिंग के साथ किया गया था और स्ट्रिंगें या 00 या 00 नंबर स्ट्रिंग के साथ या गिटार की पहली नंबर स्ट्रिंग को बदलकर और चिकारी ध्वनि उत्पन्न करने के लिए उपयोग किया गया था। फिर से गिटार फ्रेंट बोर्ड के बाईं ओर 2-4 चाँबियों के साथ एक अतिरिक्त छोट लकड़ी का टुकड़ा फिक्स करके, चिकारी को स्थानांतरित कर दिया गया और वाद्य यंत्र बजाया जा रहा था। तब फिर से स्तंभ के रूप में सात तार गिटार के मुख्य तारों के नीचे रखे गए थे, जिसका प्रभाव आशाजनक था और इस प्रकार वाद्य के सुंदर स्वर के

एक तारब के लिए तारों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। गिटार का इल्लाहाट भी वीणा की भाँति चौड़ा हो जाता था और उसे खोखला रखते हुए कलाकार उस पर बजाते थे। कलाकारों ने तारब को मुख्यतः तारों के नीचे रखकर इस संशोधित गिटार पर बजाना शुरू किया, कुछ को इल्लाहाट बोर्ड के बाईं ओर और कुछ को बाईं ओर रखा गया। उनमें से कुछ ने तारब और चिकरा को गिटार के दोनों ओर लगा दिया क्योंकि इस वाद्य पर भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाना जा रहा है और यह एक प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय वाद्य वीणा, सबसे प्राचीन भारतीय तार वाद्य, कलाकार का पुनरुत्पादन था।

विभिन्न विश्वओं की वीणा के नाम पर इसका नामकरण किया, या अलग-अलग नाम दिए। इस प्रकार भारतीय शास्त्रीय गिटार बजाने वाले कलाकारों में एक दूसरे से उनके वाद्ययंत्रों में अंतर होता है।

ठाकुर चक्रपाणि सिंह का गिटार, जो उनका अपना संशोधन है, काफी विशिष्ट और पूर्ण है। इसमें चिकरी और तारब के अलावा 32 तार होते हैं जो इसके दोनों ओर हैं। इनमें से इस्तेमाल किए जाते हैं, जैसे कि इतम वीणा, सरोद, सितार, सारंगी, रागलिन और बांसुरी की धुन या वायल को गुंथा या समाहित किया जाता है। यह अपने पूर्ण रूप में है और किसी भी भारतीय गिटार वादक के वाद्य या तथ्याकथित गिटार संशोधित संस्करण (वीणा) से काफी अलग है। यह वाद्य शास्त्रीय रागों की बारीकियों को व्यक्त करने में भारतीय शास्त्रीय गिटार की दृष्टिगत व्यवस्था को समायोजित करता है। गिटार के इस संशोधन में स्वर और वाद्य शास्त्रीय संगीत की संपूर्ण तकनीकों को अपनाया गया है। जैसा कि संशोधन किए जा रहे हैं और व्यक्तिगत नामों की घोषणा की जा रही है, श्री सिंह ने प्राचीन और आधुनिक भारतीय तार वाले उपकरणों की श्रृंखला पर एक व्यापक शोध के बाद इसे कच्छपी वीणा नाम दिया है। अन्वेषणों से पता चलता है कि कच्छपी वीणा एक प्राचीन भारतीय शास्त्रीय वाद्य यंत्र था।

लेखक: ठाकुर चक्रपाणि सिंह

प्रतिष्ठित गिटारवादक हैं चक्रपाणि



ठाकुर चक्रप्राणि सिंह भारत के एक प्रतिष्ठित गिटारवादक हैं। अपने बचपन के दौरान उन्हें सुरु और ताल के मिश्रण से परिचित कराया गया, क्योंकि उनके परिवार ने हमेशा संगीतकारों और प्रतिष्ठित कलाकारों को आमंत्रित किया, जिससे उन्हें सभी गायकों और संगीतकारों को मुझे का मौका मिला।

प्रारंभ में, वह अपनी माँ के पास थे और पं। से 'ध्रुपद' (भारत का एक प्राचीन संगीत रूप जो वीणा पर भी बजाया जाता है) सीखना शुरू किया। विदुर मल्लिक अपनी युवावस्था में। बाद में उन्होंने वाद्य संगीत के प्रति अपनी रुचि विकसित की और उन्होंने गिटार को अपने पसंदीदा वाद्य के रूप में चुना। उन्होंने उस्ताद मकबूल हुसैन और पं. जोतिन भट्टाचार्य और श्रीमती से सीखा। शरण रानी। एक गुरु (मास्टर संगीतकार और संरक्षक) को उनकी खोज तब तक पूरी नहीं हुई जब तक कि वे अंततः प्रसिद्ध उस्ताद अमजद अली खान के संरक्षण में नहीं आए। उनका अंतिम प्रशिक्षण उनके अंहीन हुआ।

भरणाणी की गिटार वदन की अनुठी शैली सदैव और दा, डिर, डिर के स्ट्रोक पर प्रकाश डालती हैं। वह इस शैली का पालन करने वाले एकमात्र गिटार वादक हैं। ठाकुर चर्राणा ने तरन चिकारी में 26 और तार जोड़कर अपने गिटार की टोनल गुणवत्ता में सुधार किया है, जो सभी भारतीय शास्त्रीय संगीत पहरुओं को कवर करने के लिए अपने स्वयं के संशोधन में एक नया रूप बना रहा है और इसकी रेंज उनके वदन को और अधिक मजबूत बना रही है। सदैव और ध्रुपद वादकों द्वारा पढ़ाए जाने के कारण, उनका गानन स्पष्ट रूप से राग के संदर्भ में तानवाला संबंधों और बारीकियों के ईश्वर रहस्यों में उनकी धारणा की प्रतिभा को दर्शाता है। गिटार में गायकी और तंकराकी शैली के उनके अनुठी संयोजन और उनके अभिनव कौशल ने उन्हें बाबा अलाउद्दीन खान स्मृति सम्मान (प्रसिद्ध मैहर घराने के संस्थापक) सहित सम्मान दिलाया है। वह एम.ए. संगीत में स्वर्ण पद विज्ञान और संगीत में वरिष्ठ श्रेणी के कलाकार हैं। उन्होंने संगीत नाटक अकादमी समारोह और विश्वोष्ठी सहित पूरे भारत में व्यापक प्रदर्शन किया है। वर्तमान में वे 'गुरु-शिष्य परम्परागत संस्कृति' के आधार पर अपनी स्थापित संस्था 'वर्ल्ड स्कूल ऑफ म्यूजिक' में लगे हुए हैं। इसके अलावा, वह प्रदर्शन और कार्यशालाओं में व्यस्त रहता है। www.classicalguitar-veena.com भारत एशिया ठाकुर चर्राणा सिख का गिटार जो उनका खुद का संशोधन है, काफी अलग और पूर्ण है। इसमें चिकारी और तराब के अलावा 32 तार होते हैं जो इसके पूरे दोनों तरफ इस्तेमाल किए जाते हैं, जैसे कि वीणा, सारो, सितार, सारंगी, की धुन या राग।

स्वताधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा० लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रिवटिव विलिडिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुठूआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगडी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshnanchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)